विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 36 अंक 249 | कोरबा, बुधवार, दिनांक 11 जून 2025 डाक 12 जून 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

विविधा
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की

देश-विदेश
राज और सोनम का आमना-सामना, रिमांड पर शिलांग लाए गए दोनों आरोपी, पूछताछ में खुलेंगे बड़े राज

फीचर पेज
नाश्ते में चुकंदर को शामिल करना चाहते हैं तो इन 5 तरीकों को अपनाएं

घोटालाः ईडी ने कांग्रेस सांसद और तीन विधायकों से जुड़े ठिकानों पर मारा छापा

बेंगलुरु, 11 जून [एजेंसी]।

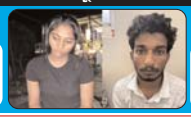

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को बेल्लारी जिले और बेंगलुरु में महर्षि वाल्मीकि जनजाति कल्याण बोर्ड घोटाले के सिलसिले में छापेमारी की। यह कार्रवाई चार कांग्रेस नेताओं और उनसे जुड़े अन्य लोगों के ठिकानों पर की गई।

कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम, कांग्रेस विधायक ना. रा. भरत रेड्डी और जे. एन. गणेश उर्फ कांपली गणेश के घरों और दफ्तरों पर छापेमारी की जा रही है। इसके अलावा, बेल्लारी के कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र के निजी सहायक गोवर्धन के घर पर भी छापा मारा जा रहा है। बताया गया कि ईडी के करीब 15 अधिकारियों की एक टीम ने आज सुबह से ही एक साथ आठ जगहों पर छापा मारा है। इनमें से पांच जगहें बेल्लारी में और तीन बेंगलुरु में हैं। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को इस घोटाले के मामले में पहले जेल भेजा जा चुका है। घोटाले के खुलासे के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इस पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि नागेंद्र को दोबारा मंत्री

बनाए जाने के मामले की समीक्षा की जाएगी। चहेते कंपनियों को ठेका देने बदल रहे नियम-कायदे पूर्व अनुसूचित जनजाति कल्याण, युवा सशक्तिकरण और खेल मंत्री बी. नागेंद्र को 12 जुलाई, 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आदिवासी कल्याण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया और करीब तीन महीने जेल में बिताने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। जेल से रिहा होने के बाद नागेंद्र ने आरोप लगाया कि ईडी ने उन्हें जानबूझकर परेशान किया। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा देश की चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने की साजिश कर रही है। वहीं भाजपा का आरोप है कि इस घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की भी भूमिका है, क्योंकि उन्होंने सरकारी निकाय से 89.6 करोड़ रुपये की हेराफेरी को कथित तौर पर मंजूरी दी थी। भाजपा का दावा है कि यह घोटाला 187 करोड़ रुपये का है और चूंकि वित्त विभाग खुद सिद्धारमैया के पास है, इसलिए उनकी संलिप्तता साफ नजर आती है। केजरीवाल विरूपण मामले में रिपोर्ट देरी पर FSL प्रमुख तलब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम में हुए कथित घोटाले के मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड के रूप में बी. नागेंद्र को नामित किया है। नागेंद्र ने सत्यनारायण वर्मा, एताकारी सत्यनारायण, जे.जी. पद्मनाभ, नागेश्वर राव, नेकुंती नागराज और विजय कुमार गौड़ा सहित 24 अन्य लोगों के साथ मिलकर इस घोटाले को अंजाम दिया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हिंसक झड़प, सुरक्षा गार्ड और प्रोफेसरों ने भांजी लाठियां, 20 छात्र घायल

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में मंगलवार को हिंसक झड़प हुई। सुबह करीब साढ़े 11 बजे विश्वविद्यालय के बीएससी और फाइनल वर्ष के एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों और सुरक्षा गार्ड कुलपति कार्यालय के बाहर आपस में भिड़ गए। हंगामा इतना बढ़ा कि कई छात्रों को कर्मियों ने पार्क में दौड़ा-दौड़ाकर व घेरकर पीटा।रात होते-होते विद्यार्थियों में रोष फैल गया। वीसी आवास के सामने रात साढ़े 10 बजे के करीब कुलपति की गाड़ी घेरने पर विद्यार्थियों पर लाठियां चलाई गईं। आरोप है कि विश्वविद्यालय के सुरक्षा गार्ड और प्रोफेसरों ने लाठियां भांजी। कई विद्यार्थियों के इसमें सिर फूटे। इसमें 20 विद्यार्थियों को चोट आई हैं।घायलों में दीपांशु, चक्सू बीएससी प्रथम वर्ष, मोहित, आनंद, विक्रम, अजय शामिल है। देर रात हकृवि में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। मामले के अनुसार हकृवि में स्कॉलरशिप नीति में बदलाव किया गया है। इसके तहत पहले 7.5 सीजीपी से ज्यादा वाले सभी छात्रों को स्कॉलरशिप मिलती थी। मगर विश्वविद्यालय प्रशासन ने नीति को बदल दिया। अब 25 प्रतिशत छात्रों को ही यह स्कॉलरशिप की नीति का फायदा मिल रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से किए गए बदलाव का ही विद्यार्थी विरोध कर रहे हैं।

फारूक अब्दुल्ला ने किए माता वैष्णो देवी के दर्शन, बोले- यह मेरा सौभाग्य

जम्मू , 11 जून [एजेंसी]।

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि माता के दर्शन करने के बाद मेरा हृदय मंत्रमुग्ध हो गया।

यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे माता के दर्शन का अवसर मिला। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में यहां पर पर्यटकों की आमद बढ़ेगी, जिससे यहां के स्थानीय लोगों को काफी फायदा पहुंचेगा। केंद्र सरकार से मिले सहयोग को लेकर पूछे गए सवाल पर अब्दुल्ला ने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि हमने जो भी मांगें रखी हैं, उन्हें निश्चित तौर पर पूरा किया जाएगा। हमारी मांगों को पूरा करने में कोई भी कदम पीछे नहीं खींचेगा। हमारी बस एक ही ख्वाहिश है कि यहां पर अमन-शांति स्थापित हो। लोग यहां पर सुकून से रहें। कोई भी यहां पर अपने नापाक इरादों को धरातल पर नहीं उतार सके। यहां पर सभी लोग आगे बढ़ सकें। सभी भाईचारे से रहें। भारत आगे बढ़े और हम सब इसकी तरक्की में अहम भूमिका निभाएं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से की गई यात्रा का अनुभव साझा किया। बोले, यह ट्रेन बहुत अच्छी है। इसका सफर आरामदायक है। निसंदेह, इस ट्रेन के आने के बाद यहां की आर्थिक गतिविधियों को नई तेजी मिलेगी, जिससे यहां पर आने वाले दिनों में चौतरफा विकास की बयार बहेगी। कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को उन्होंने बूस्टर डोज बताया। कहा, निसंदेह आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की भी संख्या में तेजी देखने को मिलेगी। इनमें से सबसे ज्यादा माता वैष्णो देवी और भोले नाथ के दर्शन करने वाले लोग होंगे, जिससे यहां पर आर्थिक गतिविधियों को नया बूस्टर डोज मिलेगा। फारूक अब्दुल्ला के साथ उप-मुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सतीश शर्मा और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल थे।

2010 से 2020 के बीच दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ी मुस्लिम आबादी, हिंदुओं की जनसंख्या स्थिर

नई दिल्ली। मुस्लिमों की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। यह खुलासा प्यू रीसर्च सेंटर की स्टडी में हुआ है। इसके अनुसार 2010-2020 के बीच दुनिया में मुस्लिम आबादी 34.7 करोड़ से बढ़कर 194.6 करोड़ हो गई है। इसकी के साथ मुस्लिम समुदाय की वैश्विक हिस्सेदारी 25.6 प्रतिशत हो चुकी है।हिंदुओं की बात करें तो पिछले 10 साल में हिंदू आबादी में इजाफा देखने को मिला है, हालांकि हिंदुओं की वैश्विक हिस्सेदारी 15 प्रतिशत पर ही स्थिर बनी हुई है, यह न तो बढ़ी है और न ही घटी है। 2010-2020 के बीच हिंदुओं की आबादी 12.6 करोड़ से बढ़कर 115.8 करोड़ हो गई है।प्यू की रीसर्च के अनुसार, ईसाई समुदाय दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समूह बन चुके है। पिछले 10 साल में इनकी आबादी 12.2 करोड़ से बढ़कर 229 करोड़ हो गई है। इसके बावजूद ईसाई समुदाय की वैश्विक हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज की गई है, जो 30प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत रह गई है। रीसर्च रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 2010 में दुनिया में कुल 113 लोग नास्तिक थे, जो किसी भी धर्म को नहीं मानते। 2020 तक इनकी आबादी बढ़कर 140 करोड़ हो गई है, जोकि 27 करोड़ का इजाफा है। वहीं, वैश्विक हिस्सेदारी की बात करें तो नास्तिक 18.2 प्रतिशत हैं।प्यू की रीसर्च में अन्य धर्मों का भी विवरण मौजूद है। मसलन बौद्ध धर्म के लोगों की संख्या 1.9 करोड़ घटकर 32.4 करोड़ ही रह गई है और इनकी वैश्विक हिस्सेदारी 5 प्रतिशत से कम होकर 4.2 प्रतिशत ही बची है। इसके अलावा यदूही समुदाय दुनिया की सबसे छोटी धार्मिक आबादी है, जिनकी आबादी 1.4 से बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है।

युवक का बेरहमी से कत्ल, इस खुन्नस में लड़की के भाई ने की वारदात

देवरिया, 11 जून [एजेंसी]।

उत्तर प्रदेश के देवरिया में बीए के छात्र आदित्य उर्फ सूरज गौड (22) की नृशंस हत्या के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है. पुलिस के मुताबिक, प्रेम प्रसंग में आदित्य की हत्या को अंजाम दिया गया.

दरअसल, लड़की की शादी हो जाने के बाद भी आदित्य उसे ससुराल में बार-बार कॉल कर के परेशान कर रहा था. लड़की ने इसकी शिकायत घर पर की, जिसपर कई बार लड़की के परिजनों ने उसे मना किया, लेकिन आदित्य नहीं मान रहा था. इसी खुन्नस में लड़की के भाई नितेश ने साथियों संग मिलकर आदित्य को बेरहमी से मार डाला. बताया जा रहा है कि 8 जून की रात में भोजन करने के बाद आदित्य टहलने के लिए घर से बाहर निकला था. वह कुछ दूर जाकर सड़क पर बैठकर फोन से बात कर रहा था. तभी गांव के ही नितेश कुमार गौड़, उसके चचेरे भाई राकेश कुमार गौड और रितेश यादव ने पीछे से आदित्य पर हमला कर दिया. आरोप है कि तीनों आदित्य को खेत में ले खींच ले गए और खंजर से उस पर कई वार किए. कातिलों ने आदित्य की गर्दन, सीने, पेट और पीठ पर तब तक वार किया जबतक की वह मर

नहीं गया. फिलहाल, पुलिस ने हत्यारोपी नितेश की निशानदेही पर मिट्टी में दबाया गया खंजर बरामद कर लिया है. वहीं, राकेश की निशानदेही पर खून से सने दो शर्ट बरामद किए. जबकि, रितेश की निशादेही पर मृतक का मोबाइल बभनी रोड के किनारे पीपल पेड़ से सटे सूखे कुएं से बरामद हुआ. एडिशनल एसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि दिनांक 8-9 जून की रात्रि में ग्राम मुजुरी खुर्द थाना खुखुन्दू निवासी आदित्य कुमार गौड़ की हत्या की सूचना मिली थी. मृतक के पिता हरिप्रकाश गौड़ की तहरीर पर थाना खुखुन्दू पर समुचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था. विवेचना के क्रम में उसी गांव के तीन व्यक्तियों नितेश गौड़, राकेश गौड़ और रितेश यादव का नाम प्रकाश में आया. जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक आदित्य द्वारा नितेश गौड़ की बहन को मोबाइल से बात करके परेशान किया जाता था, इससे नाराज होकर तीनों अभियुक्तों द्वारा एक राय होकर चाकू से आदित्य की हत्या कर दी गई. नए खुलासे थाना खुखुन्दू पुलिस और एसओजी टीम द्वारा तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से आलाकत्ल, मोबाइल और कपड़े बरामद किए गए हैं. पुलिस ने इस मर्डर केस का पर्दाफाश करते हुए तीनों अभियुक्तों को जेल भेज दिया है. मौके पर शांति-व्यवस्था कायम है.

प्लास्टिक के केन के सहारे गंगा पार करते समय डूबने से दो लोगों की मौत

शेरपुर। घर से 50 मीटर दूर स्थित गंगा नदी में भाई-बहनों के साथ नहाने गए शिक्षामित्र सत्ताराम सिंह के बेटे अरुण (18) और भतीजे सागर (13) की डूबकर मौत हो गई। दोनों प्लास्टिक की कैन के सहारे नदी पार करने की कोशिश कर रहे थे, तभी कैन का ढक्कन खुलने से हादसा हुआ। थाना क्षेत्र के शेरपुर सराय गांव निवासी सत्ताराम सिंह शिक्षामित्र हैं। मंगलवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे कन्नौज जिले के गुरसहायगंज थाने के गंगागंज गुरौली निवासी सत्ताराम के बेटे अरुण, वरुण, बेटी अंशिका, भतीजा आदित्य और भतीजा सागर नदी में नहाने गए थे। नहाते समय सागर और अरुण प्लास्टिक की कैन के सहारे गंगा पार कर दूसरी तरफ चले गए। व्यापारी पर फायरिंग की वारदात से दहशत, पुलिस ने दर्ज किया मामला कुछ देर बाद लौटते समय कैन का ढक्कन नदी के बीच में खुल गया और उसमें पानी भर जाने से दोनों डूब गए। हादसे की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से नदी में तलाशी अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे बाद साढ़े 11 बजे गोताखोरों ने अरुण को बाहर निकाल लिया। आधे घंटे बाद गोताखोरों ने सागर की तलाश कर उसे गंगा से बाहर निकाल लिया। पुलिस दोनों को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर राजीव कुमार ने बताया कि दोनों की मौत नदी में डूबने से हुई है।

चेक बाउंस के दोषी को एक साल कैद, कोर्ट ने 8 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया

गाजियाबाद, 11 जून [एजेंसी]।

कोर्ट ने लोनी थानाक्षेत्र के चेक बाउंस के मामले में आरोपित को दोषी ठहराते हुए एक साल कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपित पर आठ लाख 66 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।बेहटा हाजीपुर निवासी विमला देवी शशिकुमार कैन के एनजीओ से जुड़ी हुई थी। महिला ने आरोपित को वर्ष 2014 में आवश्यकता पड़ने पर साढ़े छह लाख रुपये दिए थे। कई बार मांगने पर आरोपित ने वर्ष 2017 में चेक दिए, लेकिन वह बाउंस हो गए।इसके बाद पीड़िता ने 138 एनआई एक्ट का वाद दायर किया। मंगलवार को विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट-एक धर्मप्रकाश ने आरोपित शशीकुमार को एक वर्ष कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आठ लाख 66 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।दिरापुरम थानाक्षेत्र में वर्ष 2019 में एक व्यक्ति को टक्कर करने के आरोपित ने कोर्ट में अपना जुर्म कबूल कर लिया। मंगलवार को विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट धर्मप्रकाश ने आरोपित मनोज कुमार को दोषी ठहराते हुए एक हजार रुपये का

जुर्माना लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर तीन दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई है।मोदीनगर के आदर्शनगर निवासी नितिन जिंदल मे कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि अप्रैल 2023 में उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। उनके पिता की मौत के बाद चाचा श्यामसुंदर ने उनके पिता के खाते से दो बार में पांच लाख रुपये और 44 हजार रुपये निकाल लिए।जब उन्होंने अपने रुपये मांगे तो उनके साथ अभद्रता की गई। परेशान होकर पीड़ित ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर पुलिस को केस दर्ज करने के लिए आदेश देने की मांग की। मंगलवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतिभा ने मामले को परिवाद के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया। अगली सुनवाई के लिए 14 जुलाई की तारीख लगाई है।

झारखंड में कोरोना संक्रमित मरीज की सेप्टिक शॉक से मौत,रिम्स में चल रहा था इलाज

रांची। रिम्स में इलाजरत कोविड से संक्रमित एक मरीज की मौत सेप्टिक शॉक के कारण मंगलवार को हो गई। 44 वर्षीय मरीज को दो जून को सीआईपी रांची से रिम्स रेफर किया गया था। मरीज को खाना गले में फंस जाने की वजह से दिल का दौरा पड़ा और संसे रुक गई, जिसके पश्चात उसे सीपीआर दिया गया और बचाने की कोशिश की गई। वेंटिलेटर सपोर्ट के लिए रिम्स लाया गया।जांच में एस्पीरेशन निमोनिया की पुष्टी हुई। इस कारण ट्रामा सेंटर में वेंटीलेटर पर रखा गया। इसके अलावा मरीज को कई अन्य प्रकार की बीमारियां भी पहले से थी।पांच जून को भर्ती मरीजों की जांच में मरीज को कोविड पॉजिटिव पाया गया। रांची में 12 कोरोना के एक्टिव केस है, जिनका इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है।रिम्स चिकित्सकों के अनुसार मरीज की मृत्यु सेप्टिक शॉक की वजह से हुई है जिसमें मुख्यतः सर्कुलेटरी फेल्योर होता है न रेस्पिरेटरी फेल्योर जो कि आम तौर पर कोविड मरीजों में मौत का कारण होता है। सेप्टिक शॉक एक जानलेवा स्थिति होती है जो तब होती है जब शरीर को किसी संक्रमण से लड़ने की प्रक्रिया खुद शरीर को नुकसान पहुंचाने लगती है। यह सेप्सिस का गंभीरतम चरण होता है।जब शरीर में कोई संक्रमण (फेफड़ों, पेट, मूत्र मार्ग, या त्वचा) बहुत अधिक फैल जाता है, तो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अत्यधिक प्रतिक्रिया देने लगती है। यह प्रतिक्रिया सिस्टमिक इनफ्लेमेटरी रिस्पांस पैदा करती है, जिससेरक्तचाप बहुत कम हो जाता है। अंगों (जैसे कि किडनी, लिवर, ब्रेन) तक खून की आपूर्ति कम हो जाती है। आक्सीजन की कमी होने लगती है।

परिवार की सहमति से की थी हिंदू महिला से शादी, सुप्रीम कोर्ट ने 6 महीने से जेल में बंद मुस्लिम युवक को दी जमानत

नईदिल्ली, 11 जून [एजेंसी]।

कोर्ट ने हिंदू लड़की से पहचान छिपाकर शादी करने वाले आरोपी मुस्लिम युवक को जमानत दे दी है। इस दौरान कोर्ट ने कई अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि दो लोगों को साथ में रहने पर बस इसलिए नहीं मना किया जा सकता कि क्योंकि वे अलग-अलग धर्मों के हैं।कोर्ट ने हिंदू महिला से शादी करने के 6 महीने बाद मुस्लिम युवक की बेल को मंजूरी दे दी है। युवक 6 महीने से जेल में बंद था।जस्टिस बी.वी.नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी के जरिये दायर अपील पर यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। बता दें कि शख्स ने उत्तराखंड की लड़की से शादी की थी। जिसके बाद फरवरी 2025 में उत्तराखंड हाई कोर्ट ने इस शख्स को जमानत देने से मना कर दिया था। फिर युवक ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।मुस्लिम युवक को उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2018 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों के तहत अपनी धार्मिक पहचान छिपाने और हिंदू महिला से धोखाधड़ी कर शादी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अब मुस्लिम युवक पर की गया एक्शन और पेश की घटना की थ्योरी पर तरह-तरह के सवाल खड़े

होने लगे हैं।अब इस मामले पर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है, कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, राज्य को मुस्लिम युवक और उसकी पत्नी के साथ रहने पर किसी तरह को कोई एतराज नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब उनकी शादी उनके माता-पिता और परिवार वालों की मर्जी के हिसाब से हुई हो।कोर्ट ने आगे अपना फैसला सुनाते हुए यह भी बताया कि यह शादी दोनों परिवारों की सहमति और मौजूदगी में हुई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत में ये भी बताया कि शादी के अगले ही दिन मुस्लिम युवक) ने एक हलफनामा दायर कर दिया था। इसमें उसने साफ तौर पर स्पष्ट किया था कि उसकी पत्नी अपने धर्म का पालन करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र होगी और वह उसे मजहब बदलने के लिए भी नहीं बोलेगा ।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

जलयात्रा के साथ जगन्नाथ रथयात्रा का शुभारंभ श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए एआई-ड्रोन की मदद

अहमदाबाद, 11 जून [एजेंसी]।

अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 27 जून को निकाली जाएगी। बुधवार को जलयात्रा के साथ रथयात्रा महोत्सव का शुभारंभ किया गया। रथयात्रा महोत्सव में भीड़ को देखते हुए पुलिस ने कमर कस ली है। अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा उत्सव शुरू हो चुका है। बुधवार को जल त्रा के साथ महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इसमें बड़ी संख्या में संत, महंत और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 27 जून को निकाली जाएगी। गुजरात पुलिस ने मुख्य रथ यात्रा जुलूस के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति को रोकने के लिए कमर कस ली है। ड्रोन और एआई सॉफ्टवेयर के जरिये भीड़ को नियंत्रित किया जाएगा। अहमदाबाद में जगन्नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी संत दिलीपदास महाराज ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की जल यात्रा में विभिन्न संतों और

धार्मिक नेताओं के साथ अन्य श्रद्धालु पूरी आस्था और खुशी के साथ भाग ले रहे हैं। यात्रा बड़े उत्साह के साथ शुरू हुई है। जल यात्रा के दौरान साबरमती नदी से 108 घड़ों में पवित्र जल भरकर मंदिर लाया जाएगा और जल से भगवान का अभिषेक किया जाएगा।बंगलूरू समेत अन्य जगहों पर भगदड़ की घटनाओं ने निपटने के लिए पुलिस ने विशेष प्लान बनाया है। सहायक पुलिस आयुक्त भरत पटेल ने कहा कि बंगलूरु सहित सामूहिक समारोहों से जुड़ी हाल की घटनाओं से संकेत लेते हुए अहमदाबाद अपराध शाखा एक एआई-संचालित सॉफ्टवेयर की मदद लेगी। पुलिस के अनुसार 27 जून को होने वाले भव्य समारोह में 14 से 15 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। सहायक पुलिस आयुक्त भरत पटेल ने कहा कि एआई प्रणाली के तहत, पुलिस नियंत्रण कक्ष में विजुअल एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर यात्रा मार्ग पर तैनात सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से लाइव वीडियो फीड प्राप्त करेगा। इससे अनुमान लगाया जा सकेगा कि उस विशेष स्थान पर कितने लोग मौजूद हैं तथा कितने लोग थोड़े समय में वहां पहुंचने वाले हैं।उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर लोगों की गिनती करेगा। उस स्थान की अधिकतम क्षमता की गणना करेगा और भविष्य में उस स्थान पर लोगों के आने के बारे में पुलिस को सचेत करेगा। यह प्रणाली हमें समय पर कार्रवाई करने और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल को भेजने और यातायात को डायवर्ट करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि एआई संचालित प्रणाली किसी विशेष स्थान की अधिकतम क्षमता, वर्तमान भीड़ घनत्व और भविष्य में आने वाली भीड़ की गणना करने में सक्षम है।

खपरैल पलटने का खत्म हुआ सिलसिला, धुर साय को पीएम आवास मिला

पक्का घर बनने से दूर हुई बारिश के दिनों की परेशानी

कोरबा। यूँ तो धुर साय की उम्र अस्सी साल है,लेकिन इनकी जिंदगी में बीते दिनों के मुसीबतों की कहानियां अनगिनत है। घने जंगल के बीच समय के साथ कई मुसीबते आई और गई...लेकिन बारिश के दिनों में आने वाली मुसीबतों से उन्हें कभी छुटकारा नहीं मिल पाता था। जब भी बारिश का मौसम आता..धुरसाय सहित पूरा परिवार तैयारी में जुट जाता..सभी काम छोड़कर घर के खपरैलों को निकालता और सफाई कर फिर से जमाता..ठीक करता। धुरसाय अपनी ओर से तो पूरी कोशिश करता लेकिन यह बारिश तो बारिश ही थीं.. कब मौसम बदले और कब बरस जाएं.. कुछ कहा नहीं जा सकता था..। मौसम के बदलाव के साथ बारिश हर बार धुरसाय के खपरैल वाले कच्चे मकान के लिए मुसीबत बनकर ही बरसती थी। खपरैलों को ठीक करने के बाद भी वह बारिश के कहर से नहीं बच पाता था। एक दिन उन्हें भी मालूम हुआ कि प्रधानमंत्री आवास योजना से उनका भी पक्का मकान बन सकता है तो उन्होंने देर नहीं की। आखिरकार पात्रता के बाद धुर साय को पीएम आवास मिला तो उनके खुशी का ठिकाना न रहा,क्योंकि एक लंबे अरसे बाद उन्हें कच्चे मकान के साथ ही खपरैल पलटने से भी मुक्ति मिल गई।

पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के अंतर्गत दूरस्थ ग्राम पतुरियाडीह में रहने वाले धुरसाय ने बताया कि वह अपनी पत्नी मोती कुँवर के साथ रहता है। जंगल में रहते हुए जिंदगी कट गई। उन्होंने बताया कि जैसे तैसे उन्होंने अपना आशियाना तैयार तो कर लिया लेकिन घर पक्का नहीं होने से हर साल बारिश के साथ ही मुसीबतों का सामना करना पड़ता था। धुरसाय ने बताया कि घर की दीवारें उखड़ने के साथ ही खपरैल भी इधर-उधर हो जाते थे। इसलिए बारिश से पहले जर्जर खपरैलों को ठीक करना जरूरी होता था वहीं बारिश में छत से पानी टपकने से परेशानी होती थी। बारिश के बाद उखड़ी हुई दीवारों की छबाई करनी जरूरी होती थी। उन्हें प्रधानमंत्री आवास मिलने से इन सभी समस्याओं से मुक्ति मिल गई है। धुरसाय ने बताया कि वह खेती किसानी करता है,लेकिन अब उम्र के साथ उन्हें ऐसे ही आशियाने की जरूरत थी,जिसमे उन्हें कोई परेशानी न हो। पीएम आवास योजना से मिले पक्के मकान से मुसीबतों से भी मुक्ति मिल गई है। सरकार का धन्यवाद, जिन्होंने हम जैसे जंगल में रहने वाले गरीबों के लिए सोचा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग अंतर्गत विभिन्न पुरस्कारों हेतु आवेदन 25 जून तक आमंत्रित

कोरबा । छत्तीसगढ़ शासन,खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों/निर्णायकों को शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद विनोद चौबे सम्मान, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, मुख्यमंत्री ट्रॉफी पुरस्कार, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त खिलाड़ियों तथा अन्य को नगद राशि पुरस्कार, खेल वृत्ति एवं खेल संघों को प्रेरणा निधि प्रदान करने हेतु निर्धारित प्रपत्र में आवेदन 25 जून तक आमंत्रित किया गया है।

राज्य खेल अलंकरण अंतर्गत सीनियर वर्ग के ऐसे खिलाड़ियों को शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है जिनके द्वारा राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में या राष्ट्रीय खेलों में कोई पदक प्राप्त किया हो या अधिकृत अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया गया हो। इसी प्रकार जूनियर वर्ग के उन खिलाड़ियों को शहीद कौशल यादव पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है जिनके द्वारा जूनियर वर्ग के राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में कोई पदक प्राप्त किया गया हो। ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने विगत पांच वर्षों में चार बार सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ की ओर से प्रतिनिधित्व करने वाले महिला/पुरुष खिलाड़ियों को शहीद पंकज विक्रम सम्मान से सम्मानित किया जाता है। प्रशिक्षकों/निर्णायकों को वीर हनुमान सिंह पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है। खेल से जुड़े 55 वर्ष या अधिक आयु के अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लिये हों या राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त या ऐसी कोई उल्लेखनीय सेवा खेल क्षेत्र में की हो उन्हें शहीद विनोद चौबे सम्मान से अलंकृत किया जाता है। इसी प्रकार सीनियर व जूनियर वर्ग में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त दल को मुख्यमंत्री ट्रॉफी प्रदान की जाती है।नगद राशि, खेल वृत्ति एवं प्रेरणा निधि आदि से संबंधित पुरस्कार नियम छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित किए गए हैं, जिसका आवेदन प्रारुप संचालनालय के विभागीय वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट स्पोर्टसवाईडब्ल्यू डाट सीजी डाट जीओवी डाट इन पर देखे जा सकते हैं।शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार हेतु तीन लाख, शहीद कौशल यादव पुरस्कार हेतु एक लाख पचास हजार, वीर हनुमान सिंह हेतु एक लाख पचास हजार, विनोद चौबे एवं पंकज विक्रम सम्मान हेतु 25-25 हजार नगद पुरस्कार प्रदाय किया जायेगा। इसी प्रकार सीनियर एवं जूनियर वर्ग के दलीय खेलों के लिये मुख्यमंत्री ट्राफी प्रदान किया जायेगा, जिसमें ऐसे दलीय खेल जिसमें सदस्य संख्या 4 है उन्हें सीनियर वर्ग में दो लाख तथा जूनियर वर्ग में एक लाख तथा ऐसे दलीय खेल जिनमें सदस्यों की संख्या 4 से अधिक है उन्हें सीनियर वर्ग में पांच लाख एवं जूनियर वर्ग में तीन लाख नगद एवं मानपत्र, अलंकरण फलक, ब्लेजर एवं टाई प्रदान किया जायेगा। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त खिलाडियों को प्रोत्साहन नियम के तहत नगद राशि पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में जिन खिलाड़ियों ने सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किये हों वे खिलाड़ी निर्धारित आवेदन प्रपत्र में पूर्ण कर 25 जून तक जिला कार्यालय खेल एवं युवा कल्याण में अथवा संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण रायपुर में जमा कर सकते हैं।

राज्य खेल संघों को प्रेरणानिधि राशि, खेल संघों की उपलब्धियों के आधार पर नियमानुसार प्रदाय की जाएगी। यदि प्रोत्साहन नियमों में किसी प्रकार का संशोधन या परिवर्तन होता है तो संशोधित प्रावधानों के तहत परीक्षण कर निर्णय लिया जायेगा।अन्य जानकारी हेतु आवेदक खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में सम्पर्क कर सकते हैं।

सहायक विकास विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा 15 जून को

कोरबा । छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित सहायक विकास विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा 15 जून को संपन्न होगी। इसके लिये कोरबा जिले में 43 परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इन परीक्षा केन्द्रों में कुल 13876 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय इंन्दीपीजी महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा को मार्गदर्शन केन्द्र बनाया गया है। जिसका कंटिक नंबर 9827488964 एवं 9826331942 है।

राज्य व्यवसाय प्रमाण पत्र प्राप्त करने की सूचना

कोरबा । शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोरबा को प्रशिक्षण सत्र 2009 से 2020 तक एससीव्हीटी परीक्षा उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को राज्य व्यवसाय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है। संस्था के प्राचार्य ने संबंधित सत्र के उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों को अपना प्रमाण पत्र शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोरबा से प्राप्त करने की सूचना जारी की गई है।

लोग ढोंढ़ी व नदी का पानी पीने मजबूर

ग्राम पंचायत पंडरीपानी में जल आवर्धन योजना से नहीं हो रही पानी आपूर्ति

कोरबा । कोरबा जिले में भी गर्मी में पेयजल संकट से ग्रामीण परेशान रहे। करोड़ों रुपए खर्च करने के बावजूद ग्राम पंचायत पंडरीपानी के आश्रित ग्रामो को जल आवर्धन योजना का लाभ नहीं मिला। इस योजना से निर्मित पानी टंकी शो पीस बनकर रह गयी है। पाइपलाइन बिछाने के बाद घरों में नल कनेक्शन दिए गए। मगर टंकी भरने कोई व्यवस्था नहीं करने से पानी की एक बूंद लोगों के घरों तक नहीं पहुंचा।

जानकारी के अनुसार कटघोरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत पंडरीपानी की लगभग 1100 आबादी गर्मी में पानी की समस्या से परेशान रही। ढोंढ़ी और नदी का पानी पीने की मजबूरी बन गई। पानी टंकी का निर्माण और पाइप बिछाने का काम शुरू होने पर पंडरीपानी सहित आश्रित ग्राम जटांगपुर, बिरवट व बंचर के ग्रामीणों की यह उम्मीद जागी कि अब उनके ग्रामो में पीने के पानी की समस्या दूर हो जाएगी। मगर जल आवर्धन योजना का काम पूरा होने के बावजूद पानी आपूर्ति शुरू नहीं होने से ग्रामीण परेशान रहे। ग्रामीणों ने कहा कि टंकी बनाने के बाद पानी भरने बोर खनन का कार्य नहीं कराया है। ग्राम पंचायत में 4 हैंडपंप हैं, मगर इसके खराब होने के बाद सुधारा नहीं गया है। ग्रामीणों ने क्षेत्र के जनपद सदस्य सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग के कार्यालय में सूचना दी है, मगर अब तक हैंडपंप को सुधारा नहीं गया है।

अंजलि को न्याय दिलाने सैकड़ों ग्रामीणों ने निकाली पदयात्रा, श्वेता हॉस्पिटल को बंद कराने की मांग

कोरबा । प्रसूता अंजली सिंह की मौत मामले में मंगलवार को सैकड़ो ग्रामीणों ने मृतिका को न्याय दिलाने और श्वेता हॉस्पिटल को बंद करने की मांग लेकर पदयात्रा निकाली।कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों और ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। कोसाबाड़ी हनुमान मंदिर से कलेक्टर कार्यालय तक पैदल चलते हुए लगभग 700 लोगों ने न्याय की गुहार लगाई। प्रसूता की मौत मामले में शिकायतों का दौर जारी है।मृतका के पति रणजीत सिंह (बबला) ने मामले में पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। शिकायत के अगले दिन पदयात्रा निकाली गई। पति ने डॉ. मानियारो कुजुर श्वेता हॉस्पीटल रिस्दी के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही एवं एफआईआर दर्ज दर्ज करने की मांग की है। पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि मुख्य चिकित्सालय कोरबा में कार्यरत डॉ. मनियारो कुजुर जो कि डॉक्टर के पद पर पदस्थ हैं। उनके द्वारा श्वेता हॉस्पीटल रिस्दी में संचालित किया जा रहा है।पति का कहना है कि उक्त हॉस्पीटल में दिनांक 1 जून को मेरे द्वारा पत्नी अंजली सिंह ग्राम गोड़ी को प्रसव के दौरान भर्ती कराया गया था। जिसमें मनियारो कुजुर के द्वारा ऑपरेशन उपरांत मेरी पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया। जन्म देने के बाद रक्त का रिसाव अधिक होने के कारण रात्रि में अचानक से तबियत बिगड़ने लगी। हॉस्पीटल में एक भी जिम्मेदार डॉक्टर उपस्थित नहीं था और न ही कोई अनुभवी नर्स उपस्थित थी। इस बीच कई बार डॉक्टर से संपर्क किया गया, किन्तु ईलाज के लिए कोई अनुभवी स्टॉफ नही आए।जिसके कारण सुबह तबियत बहुत ही खराब हो जाने के कारण इनके द्वारा अपनी गलती छुपाने के लिये आनन फानन में न्यू कोरबा हॉस्पीटल रिफर कर दिया गया। जहां अंजली का ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

शिकायत में कहा गया है कि डॉ. मनियारी कुजुर के द्वारा ईलाज के दौरान लापरवाही बरते जाने एवं रात्रि में कोई जिम्मेदार डॉक्टर का उपस्थित न होने एवं सही समय पर ईलाज नही होने के कारण पत्नी जीवित नहीं है। पीड़िता का कहना है कि मेरे छोटे-छोटे 2 बच्चों के सिर से माँ का साया छिन लिया गया। श्वेता हॉस्पीटल में मेरे बच्चों जैसे न जाने कितने ही बच्चों से उनके माँ का साया छिन लिया गया होगा। जिसकी कोई जानकारी ही नहीं है। साथ ही मेरी पत्नी की स्थिति खराब है, उसके बचने की उम्मीद नही है जानते हुए भी न्यू कोरबा हॉस्पीटल द्वारा मेरी पत्नी को हॉस्पीटल में इलाज के नाम पर कुछ घण्टों में 1 लाख रूपये वसूल किया गया है। मेरी पत्नी के मृत्यु के उचित कारणों की जानकारी न्यू कोरबा हॉस्पीटल के डॉक्टरों को होगी, परन्तु वे उचित कारणों को छुपा रहे है।

अत: न्यू कोरबा हॉस्पीटल के ऊपर भी कड़ी कार्यवाही किया जाए। पीड़ित पति ने एसपी से अनुरोध किया है कि गैर जिम्मेदार डॉ. के विरूद्ध तत्काल निलंबन की कार्यवाही करते हुए जांच टीम गठित किया जाए, जो जिला कोरबा से बाहर के हो तथा जब तक जांच की कार्यवाही रिपोर्ट नहीं आती है तब तक हॉस्पीटल को बंद रखा जाये।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक हुई आयोजित'

सीईओ नाग ने विभागवार कार्यों की समीक्षा कर निराकरण हेतु दिए आवश्यक दिशा-निर्देश'

कोरबा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर विभागवार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन करने एवं आमजनों को प्राथमिकता से लाभांवित करने के निर्देश दिए।बैठक में सीईओ श्री नाग ने शासकीय योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने शासन की योजनाओं का आमजनों को प्राथमिकता से लाभ पहुँचाने हेतु निर्देशित किया। इस हेतु जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन पर गम्भीरता से ध्यान देने की बात कही। श्री नाग ने विभिन्न विभागों में समय सीमा के लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने हाथी प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियो को निर्देश दिए, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने सुशासन तिहार अंतर्गत मिले आवेदनों के निराकरण स्थिति की भी समीक्षा की। सीईओ श्री नाग ने निराकरण हेतु लंबित आवेदनों को शीघ्रता से परीक्षण कर निराकरण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अनुपम तिवारी, एडीएम श्री मनोज बंजारे सहित सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एएसआई की हत्या के आरेपी को न्यायालय में सुनाई सजा

कोरबा । थाना बांगो स्थित पुलिस बैरक में ड्यूटी उपरांत विश्राम कर रहे एएसआई नरेंद्र सिंह परिहार की नृशंस हत्या मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह हत्याकांड 9-10 मार्च 2023 की रात को घटित हुआ था, जब धारदार हथियार से किए गए हमले में एएसआई की मौत हो गई थी। मामले की विवेचना तत्कालीन एसपी यू. उदयकिरण के निर्देश पर कटघोरा एसडीओपी ईश्वर प्रसाद त्रिवेदी, बांगो थाना प्रभारी अभय सिंह बैस और साइबर टीम की निगरानी में की गई। ग्राम ठीहाईपारा, कोनकोना निवासी आरोपी को साइबर टीम की मदद से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल किया।प्रकरण में तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश कटघोरा एच.के. राजे ने आरोपी को धारा 450 के तहत 7 वर्ष और धारा 302 के तहत आजीवन कारावास व जुर्माना की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष से अतिरिक्त लोक अभियोजक दिलीप झा ने प्रभावी पैरवी की।

जिला चेंबर के पदों पर चुनाव 1 जुलाई को

कोरबा । जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदो पर चुनाव 1 जुलाई को होगा। इसकी अधिसूचना जारी होने के बाद प्रारंभिक सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। चेंबर भवन में सूची चस्पा की गई है, इसका अवलोकन किया जा सकता हैं। सूची के संबंध में दावा/आपत्ति 15 जून तक सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चेंबर भवन में जमा कर सकते हैं। 17 जून को सुबह 11 बजे मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। 29 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक नामांकन, दोपहर 2 बजे प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन, शाम 4:00 बजे तक नामांकन वापसी के बाद उम्मीदवारों की सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया जाएगा। 1 जुलाई मंगलवार को संगठन के विभिन्न पदों पर होने वाले चुनाव में सुबह 10 बजे से मतदान शुरू होगा। इस दिन शाम 4 बजे तक मतदान का समय रहेगा। शाम 5 बजे के बाद मतगणना पश्चात परिणाम की घोषणा की जाएगी। अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष व महामंत्री के एक-एक पद के लिए चुनाव संपन्न होगी।

भू-जल स्त्रोत बढ़ाने के लिए बनाये जाएंगे ग्राउंड वाटर रिचार्ज पीट

कोरबा । कोरबा नगर निगम क्षेत्र में 10 स्थानों पर भू-जल स्त्रोत बढ़ाने के लिए ग्राउंडवाटर रिचार्ज पीट का निर्माण कराया जाएगा। इसमें 50 लाख की राशि खर्च होगी। इस हेतु इसरो और निगम की टीम ने स्थल निरीक्षण किया। जिसमें यह देखा कि बारिश का पानी किस तरह जमीन के अंदर जाएगा। इसकी गहराई 280 फीट तक होगी। नगर निगम क्षेत्र के साथ ही आसपास के ग्रामो के 330 वर्ग किलोमीटर की भू-जल स्रोत की जांच की गई थी। इसरो और नेशनल रिमोट सोर्सिंग सेंटर की संयुक्त टीम ने सेटेलाइट के साथ ही मैन्युअल आधार पर जांच की। जिसमें पाया गया कि शहर के साथ ही ग्राम की 48.41 हिस्से का भू-जल स्रोत भी सुरक्षित है। बाकी स्थानों पर भू-जल स्तोत काफी नीचे चला गया है।

यही नहीं बारिश के समय भी 61 मीटर के नीचे भू-जल स्रोत मिला था। खदान क्षेत्र में 100 मीटर से नीचे तक भू-जल स्तर गिर जाता है। इसी वजह से इसे रिचार्ज करने ही 10 स्थानों पर ग्राउंडवाटर रिचार्ज सिस्टम लगाया जाएगा। यह वाटर हार्वेस्टिंग से बड़ा बनेगा।

इसके लिए ही इसरो हैदराबाद के साइंटिस्ट तुषार वानखेड़े, निगम के कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह के साथ अधिकारियों की टीम ने स्थल का निरीक्षण किया। सीएसईबी, घंटाघर, इंदिरा स्टेडियम परिसर पहुंचकर अफसरों ने इसकी जानकारी ली। शहर के भू-जल स्तर की इसरो की टीम लगातार मॉनीटरिंग भी करेगी।

राष्ट्रीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में सरोज पांडेय होंगी मुख्य अतिथि

कोरबा । भारतीय महिला फुटबॉल महासंघ के सचिव शेख जावेद ने जानकारी देते हुए बताया 11 जून को होने वाली राष्ट्रीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह समय शाम 04:00 बजे से एसईसीएल सेंटर स्टेडियम कोरबा में भव्य रूप से आयोजित होगा। जिसकी मुख्य अतिथि भारतीय महिला फुटबॉल महासंघ की अध्यक्ष सरोज पांडेय होंगी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कोरबा नगर निगम महापौर संजू देवी राजपूत करेंगी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति नूतन सिंह राजपूत, अशोक मोदी (कृष्णा हुंडई), हितानंद अग्रवाल, नरेन्द्र देवांगन आदि शामिल होंगे। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला झारखंड और आंध्रप्रदेश की टीमों के बीच खेला जाएगा, जिसे देखने के लिए खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है। समापन समारोह में विजेता टीम को सम्मानित किया जाएगा और पूरे आयोजन के सफल संचालन के लिए सभी सहयोगी संस्थाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया जाएगा।

पर्यावरण प्रदूषण की समस्या को लेकर बीएमएस ने आईटीआई चौक में आमसभा कर निकाली रैली-सौंपा ज्ञापन

कोरबा । कोरबा जिले में भारतीय मजदूर संघ जिला इकाई द्वारा स्थानीय पर्यावरण प्रदूषण की समस्या एवं इसके निदान के उपाय को लेकर आईटीआई चौक में आमसभा का आयोजन कर प्रदर्शन किया गया। जिसके बाद रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

भारतीय मजदूर संघ द्वारा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय पर्यावरण प्रदूषण की समस्या एवं उसके निदान को उपाय किये जाने को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाता है। इसी कड़ी में अखिल भारतीय मजदूर संघ के निर्देशानुसार एवं भारतीय मजदूर संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के आह्वान पर आमसभा, रैली व ज्ञापन प्रेषण का कार्यक्रम किया गया। जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा की अध्यक्षता, पर्यावरण प्रभारी लक्ष्मण चंद्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पूर्णिमा साहू एवं विभाग प्रमुख डी. वेंकट राव की उपस्थिति में एक आमसभा कर प्रदर्शन किया गया। जिसे भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय पर्यावरण प्रभारी लक्ष्मण चंद्रा, एनटीपीसी मजदूर महासंघ के अध्यक्ष सुरेंद्र राठौर, अखिल भारतीय कोल से पूर्व अध्यक्ष टिकेश्वर सिंह राठौर, सहित कोल से संजय पांडेय ने भी संबोधित किया।

तत्पश्चात रैली के माध्यम से नारेबाजी करते हुए कलेक्टर कार्यालय जाकर ज्ञापन दिया गया और पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और उसका समाधान के उपाय किये जाने की मांग की। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री नवरतन बरेठ के द्वारा किया गया।

कमला नेहरु महाविद्यालय के के सहायक प्राध्यापक डॉ. एस.सी. तिवारी किये गए सेवा से बर्खास्त

युवक की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप

कोरबा । कोरबा जिले कुसमुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत केमड़वाढोडा अवध नगर में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 37 वर्षीय राम सिंह के रूप में की गयी हैं।

जानकारी के अनुसार एक ग्रामीण की बाड़ी में आग लगने के बाद उन्होंने उक्त व्यक्ति पर आरोप लगाया। रात करीब 2 बजे ग्रामीण सहित कुछ अन्य लोग उसके घर पहुंचे और उसे उसके कमरे से बाहर ले गए। ग्राम के कोटवार को भी भीके पर बुलाया गया। रात भर उसको बाड़ी में रखा गया। अगले दिन उनकी मृत्यु हो गई। हालांकि उन्हें कोई मारपीट करते नहीं देखा लेकिन उनके शरीर में कई जगहों पर चोट के निशान थे। मृतक के भाई ने बताया कि वह पिछले एक साल से अकेले रह रहे थे। उनकी पत्नी और दो बच्चे मायके में रहते हैं। कोटवार सूरजमल का कहना है कि उसने किसी को मारपीट करते नहीं देखा। मृतक को रात भर बाड़ी में रखा गया। सुबह उसे कुसमुंडा थाने ले जाया गया, पुलिस ने उसे अस्पताल भिजवाया। जहा डॉक्टरों ने उसे परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतेश ठाकुर ने बताया की मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

कोरबा वनांचल में आकाशीय बिजली के कहर से हुई मवेशी की मृत्यु

कोरबा । कोरबा जिले के वनांचल क्षेत्र डोकरमना पंचायत अंतर्गत ग्राम कुदरीचिंगार में अचानक बदले मौसम और तेज गर्जना के बीच आकाशीय बिजली गिरने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा हैं की इस हादसे में दो मवेशी की मृत्यु हो गई, जबकि वहां उपस्थित ग्रामीण बाल-बाल बच गए। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, तेज बारिश और गरज-चमक के दौरान मवेशी चर रहे थे, तभी आकाशीय बिजली सीधे गिरने से दोनों मवेशियों की जान चली गई। घटना के बाद मौके पर गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग करी है।

भूमि, पार्थ व भाव्या नेशनल तैराक स्पर्धा में हुए शामिल

कोरबा । रायपुर के इंटरनेशनल स्वीमिंग पुल में राज्य स्तरीय तैराक स्पर्धा हुई, जिसमें कोरबा जिले से भूमि गुप्ता, पार्थ श्रीवास्तव और भाव्या द्विवेदी अपने-अपने इवेंट में प्रथम स्थान पर रहे। तैराक स्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन की बदौलत तीनों तैराकों को नेशनल स्पर्धा में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह नेशनल स्पर्धा उड़ीसा राज्य के भुवनेश्वर में होगी। छत्तीसगढ़ तैराकी संघ के कोच रूपिन राज ने कहा कि तीनों तैराक पहला स्थान हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है। स्वीमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र पटेरिया व सचिव अशोक सक्सेना ने नेशनल स्पर्धा में चयनित तीनों तैराक से बेहतर खेल प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

रामगढ़ महोत्स में कत्थक नृत्य की प्रस्तुति के लिए नृत्यांगना अश्विका साव का हुआ चयन

कोरबा । आषाढ़ मास के पहले दिन से शुरु होने वाली दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव ।। और 12 जून को रामवनगमन पथ के प्रमुख पर्यटन स्थल रामगढ़ (उदयपुर) मे आयोजित है। इस महोत्सव में अलग-अलग क्षेत्र से आए हुए कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसी कड़ी में कोरबा जिले से कत्थक नृत्य की प्रस्तुति के लिए नृत्यांगना अश्विका साव का चयन किया गया गया। इसके लिए साव परिवार के शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है। इस महोत्सव में अपनी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए कत्थक नृत्यांगना अश्विका साव ने पूरी तन्मयता से तैयारी में जुट गई है। यह अत्यंत गौरव की बात है कि अश्विका साव पूरे जिले से अकेली चयनित हुई है। बचपन से कत्थक में रुची रखने वाली अश्विका कक्षा सातवीं की छात्रा है। नृत्य के अलावा वो बैडमिंटन और स्वीमिंग मे भी रुची रखती है।

फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी करने वाले अभियंता के खिलाफ नहीं हो रही कार्रवाई

मुख्य अभियंता बिलासपुर का संरक्षण होने से दबा दी जा रही है मामले की फाइल

बिलासपुर । लोक निर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी परिक्षेत्र 2 बिलासपुर में फर्जी प्रमाण पत्र के माध्यम से नौकरी करने तथा इससे पदोन्नति का लाभ लेने का मामला सामने आया है। जिसकी लिखित शिकायत होने के बावजूद मुख्य अभियंता लोकनिर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी परिक्षेत्र 2, बिलासपुर द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा है बल्कि उक्त अधिकारी द्वारा आरोपियों को खुलेआम संरक्षण दिया जा रहा है। जबकि एक अन्य फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी करने वाले अधिकारी सेवानिवृत भी हो गए हैं इनके ऊपर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस लेट लतीफी के कारण विभाग के कार्यों पर प्रश्न चिन्ह लगने लगा है। एवं मुख्य अभियंता की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगता है।

इस संबंध में अवगत हो कि कमल सिंह पैकरा (सहायक अभियंता अभियंता विद्युत एवं यांत्रिकी) एवं होमन सिंह भेड़िया (सहायक अभियंता विद्युत एवं यांत्रिकी) जो कि वर्तमान में एक अभियंता, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी संभाग जगदलपुर में कार्यरत है वहीं होमन सिंह भेड़िया सेवा निवृत हो गए हैं। इनके द्वारा 31/10/ 2011 को आयोजित उप अभियंता(विद्युत एवं यांत्रिकी) से सहायक अभियंता विद्युत एवं यांत्रिकी के पद पर पदोन्नति हेतु विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर (राजस्थान) की बीटेक की डिग्री संलग्न कर शासन को अंधेरे में रखकर पदोन्नति प्राप्त किए हैं और शासन प्रशासन को वित्तीय क्षति पहुंचा रहे हैं।

जबकि सामान्य प्रशासन विभाग ने अपने पत्र क्रमांक 966/275/परा/2013/1-3 दिनांक 11.07.2013 के द्वारा सभी कार्य विभागों को सूचित किया है कि Institution of Civil Engineers (India) एवं राज्य के मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों के अलावा अन्य किसी भी संस्था से दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम से प्राप्त अर्हता को तकनीकी पदों पर नियुक्ति / पदोन्नती को मान्य नहीं किया जाने का आदेश जारी किया है।

इतना ही नहीं बल्कि छ.ग.शा. सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक 966/275/परा/2013/1-3 दिनांक 11.07.2013,छ.ग. शासन जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर का आदेश क्रमांक एफ 01-14/31/स्था./2013 दिनांक 31/08/2013 आदेशों के माध्यम से ऐसे उप अभियंता जिन्होंने सेवा में आने के पूर्व या सेवा में रहते हुए ऐसे विश्वविद्यालयों/ संस्थानों के द्वारा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली (पत्राचार) के माध्यम से बी टेक/इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की है, जिन्हें AICTE से मान्यता नहीं है, के नाम डिग्रीधारी उप अभियंता के पद पर पदोन्नति हेतु विचार नहीं करने का निर्णय लिया गया है।

इन प्रकरणों में छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने अपने पत्र क्रमांक एफ 9-36/2012/तक शि/42 दिनांक 25.03.2013 एवं पत्र दिनांक 09.07.2013 के द्वारा अवगत कराया है कि AICTE के अनुसार बी.टेक उपाधि पत्राचार पाठ्यक्रम में मान्य नहीं है। का निर्देश भी जारी हुआ है।

इसके बावजूद भी सहायक अभियंता वि/यां से कार्यपालन अभियंता वि/या के पद पर पदोन्नति किये जाने हेतु पुन एक बार फिर उपरोक्त दोनों व्यक्तियों के द्वारा अपने पहुंच एवं धनबल के बल पर शासन, विभाग को गुमराह कर छ.ग. लोक सेवा आयोग को प्रेषित किये जाने वाले प्रस्ताव में अपना नाम जुड़वा लिया गया है। उक्त प्रक्रिया में अमान्य संस्था की डिग्री संलग्न कर पदोन्नती का लाभ लेने के लिये कलम सिंह पैकरा एवं होमन सिंह भेडिया (सहायक अभियंता वरिष्ठता क्रमांक क्रमश 03 एवं 04) का नाम कार्यपालन अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिकी)के लिये पदोन्नती प्रस्ताव में शामिल किया जाना एक अवैधानिक कृत्य होने के साथ अपने आप में एक प्रश्नचिन्ह है। जो कि छ.ग. शासन की सुशासन वाली छवि को कलंकित करने जैसा है।

उपरोक्त आदेशों एवं पत्रों के माध्यम से छ.ग. शासन ने जनार्दन राय नागर (जे. आर. एन.) राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर (राजस्थान) या इसी प्रकार के अन्य संरधानों से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली (पत्राचार) द्वारा बी.टेक तथा बीई की डिग्री को विभाग की संथाओं में भर्ती एवं पदोन्नती के लिए मान्य नहीं किया गया है।

इस विषय पर पदोन्नति में लेकर कुछ सहायक अभियंता प्रभावित हुए जिसके कारण उन्हें सही लाभ नहीं मिल सका । सबसे ध्यान देने वाली बात यह है की टेकराम कोसले जिला अध्यक्ष बहुजन सशक्तिकरण संघ छत्तीसगढ़ जिला बलौदा बाजार के द्वारा शासन से इसकी शिकायत की गई है जिस पर विभागीय सचिव ने ई.एन.सी.को पत्र लिखकर उचित कार्रवाई करने के लिए कहा था। उक्त अधिकारी के आदेश के परिपालन में ई.एन.सी ने मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी परिक्षेत्र 2 बिलासपुर को कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है परंतु उक्त अधिकारी द्वारा मामले को दबाया जा रहा है और जिनके लेट लतीफी के कारण होमन सिंह भेड़िया सेवानिवृत हो गए और कमल सिंह पैकरा को अभय दान दिया जा रहा है।

लगता है कि मुख्य अभियंता लोकनिर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी परिक्षेत्र 2 बिलासपुर इस मामले में उक्त लोगों से मोटी रकम लेकर अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं। इस मामले में मुख्य अभियंता जी.एस. मांडवी की भूमिका पूरी तरह से संदिग्ध है । इस मामले का उच्चस्तरीय जांच किया जाए तो अनेक अधिकारी इस अनियमित से नप सकते हैं।

कब हटेगा नगर पंचायत बाराद्वार के वार्ड एक से बेजाकब्जा

बाराद्वार। नगर पंचायत बाराद्वार के वार्ड क्रमांक 1 बना बेजा कब्जा धारियों का गढ़ शिक्षको द्वारा बेस कीमती जगह पर मनमानी करते हुए कई सालो से शासकीय भूमि पर कब्जा करके बैठे हैं भय किस चिड़िया का नाम है इन्हे पता ही नही है इनका मनोबल इतना बड़ चुका है जिसकी कोई सीमा ही नही है ये लोग अपने आप को बहुत बड़ा बाहुबली समझते हैं इसलिए हो सकता है प्रशासन एवम अधिकारी कर्मचारी सब इन लोगो के सामने नतमस्तक होते दिखाई दे रहे हैं।

अपने आप को ही शासन प्रशासन समझने लगे हैं ये अदने से कर्मचारी इन्हे किसी भी प्रकार का कोई भय नही दिख रहा है। खुले आम शासन के नियम कायदों की इनके द्वारा धज्जियां उड़ाई जा रही है। शासन के ही कर्मचारी इस तरह की हरकत कर रहे हैं इन लोगो को ये भी भय नही है कि इन्हे सेवा से मुफ्त करने की कार्यवाही बीजेपी सरकार कर सकती। जहां बीजेपी सरकार राम राज्य की स्थापना कर रही है वही ये कब्जा धारी जंगल राज लाने में तुले हुए हैं फिर भी मौन है आला अधिकारी अगर इस के बावजूद इन पर किसी भी तरह की कार्यवाही नही होती है तो हो सकता है राम राज्य नही ये जंगल राज है फिर से कायम हो चुका हे,जंगल राज में कुछ भी हो सकता है आज शासकीय भूमि पर कब्जा किया है कल सरकारी भवनों पर सरकारी अस्पतालों कलेक्ट्रेट में भी कब्जा कर सकते इसलिए इन पर कार्यवाही कर इन लोगो पर अंकुश लगाया जाए और बताया जाए कि छत्तीसगढ़ शासन को चुनौती देना और कानून से खिलवाड़ करना मजाक नही है,पूर्व में तरुण छत्तीसगढ़ में प्रकाशित खबर प्रकाशित की गई थी परंतु स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसके कारण उनके हौसले बुलंद है। कोई कुछ नही कर सकता ऐसे समाचार लगते रहते हैं,ये है कब्जा धारी जो अपने आपको बहुत दबंग समझते हैं,भागीरथी यादव शिक्षक दुरपा मिडिल स्कूल,मंगलू सिंह कंवर ,गरीब दास,धनसिँह सीदार,साहेब दास मानिकपुरी ,गिरवर सिंह कंवर, इन सब पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही कर शासकीय भूमि से कब्जा मुक्त करने की आवश्यकता है। क्योंकि इन बेजाकब्जा धारियों की वजह से शहर में खेल का मैदान तक नहीं बचे हैं। जिसके कारण आगामी पीढ़ी को खेलने कूदने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पा रहा है।

गरीब बच्चों को शिक्षा देने में कर रहा विद्यालय संचालक कोताही

बाराद्वार । नगर की सबसे महंगी और बड़ी स्कूल जिसे हम शिक्षा का मंदिर कहते हैं इस विद्यालय को खुले दो साल हो रहे हैं पर जनाब को अभी तक ये पता ही नही है कि शासन के कुछ नियम कानून भी होते जिसे मानना अनिवार्य होता है विद्यालयों में शासन की मुख्य योजनाओं को लागू करना अनिवार्य होता है आर टी ई के तहत गरीब बच्चो को मुफ्त शिक्षा देने का प्रावधान है पर जनाब को शासन की कोई भी योजनाओं से कोई सरोकार ही नही है शासन के नियम कायदों की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही है चुप्पी साधे बैठा शिक्षा विभाग एशियन वर्ल्ड स्कूल बड़े रसूखदार एवम पैसे वालो की है इसलिए हो सकता है शिक्षा विभाग कार्यवाही करने से पीछे हट रहा है या बात कुछ और है न जाने कितने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के लोग वहा अपनेबच्चो को पढ़ाने अछम है क्योंकि प्राइवेट स्कूलों की फीस काफी होती है जिसे गरीब लोग नही भर सकते इसलिए शासन द्वारा नि शुल्क शिक्षा गरीब परिवालो को मुहैया कराने के उद्देश्य से आर टी ई केतहत मुफ्त शिक्षा दी जा रही है परंतु एशियन वर्ल्ड स्कूल के संचालक को किसी भी प्रकार का कोई भय नही है खुले आम शासन को चुनौती देते नजर आ रहे हैं प्रशासन जंगल राज खतम कर राम राज्य की स्थापना की है और राम राज्य में इस तरह बच्चो के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है ऐसे विद्यालय पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही कर उन्हे उचित दंड दे जिससे दुबारा कोई भी स्कूल संचालक इस तरह का कृत्य न करे, दाता राम काटले प्राचार्य शासकीय कन्या उच्च मां विद्यालय नोडल अधिकारी आर टी ई मेरे द्वारा कई बार एशियन वर्ल्ड स्कूल के प्राचार्य एवम संचालक को बोला हु की आप लोग जल्द से जल्द अपने विद्यालय का नाम आर टी ई में जोड़े बस हां बोलते है पर जुड़वाते नही है।

छत्तीसगढ़ अठोरिया यादव समाज का चुनाव, एक दिवसीय अधिवेशन सम्पन्न

पामगढ़ । छत्तीसगढ़ अठोरिया यादव समाज का बहुप्रतीक्षित चुनाव एवं एक दिवसीय अधिवेशन शनिवार को व्यासनगर, नंदेली (पामगढ़) में गरिमामयी एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। यादव समाज मे पहली बार चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शिता तरीके से मदपत्र जारी करने के बाद मदपेटी मत वोट डलवा कर चुनाव निष्पक्ष तरीके से करवाया गया। समाज के लोगो ने कहा गांव जैसे सरपंच पंच का चुनाव होता है वैसे चुनाव समाज मे पहली बार करवाया गया जिससे समाज मे काफी खुशी का माहौल है। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना एवं स्वागत भाषण से हुई।

तत्पश्चात समाज की समसामयिक समस्याओं, विकास की योजनाओं एवं संगठनात्मक सुदृढ़ता पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसके बाद चुनाव में अध्यक्ष और सचिव पद के मतदान शुरू हुआ मतदान पश्चात मतगणना किया जिसके बाद परिणाम घोषित किया गया समाज प्रमुख महामंत्री श्री संग्राम सिंह यादव ने परिणाम घोषित करते हुवे बताया कि अध्यक्ष पद में जोधन यादव मुर्लीडीह और सचिव पद में जितेन्द्र यादव ने जीत हासिल किया गया साथ ही उपाध्यक्ष फिरत यादव, होरी लाल यादव, मुखी लाल यादव, विनोद यादव कोषाध्यक्ष कृष्ण लाल यादव कार्यकरणी सदस्य भरत यादव निर्विरोध हुवे है साथ ही राधा कृष्ण मंदिर एवं सामुदायिक भवन प्रमुख संचालक के लिए राजकुमार यादव पामगढ़ और लक्ष्मण यादव पामगढ़ को चयनित किया गया हैं।

समाज सरंक्षक के बी यादव, सोना राम यादव, बिहारी लाल यादव, शिव बरन यादव, प्रेम लाल यादव, गणेश यादव, महेश यादव, लक्ष्मी नारायण यादव, जनक राम यादव, गजानंद यादव, समाज प्रमुख सलाहकार बिसाहू यादव कोरबा, संतान यादव, बिसाहू यादव बिलासपुर, अनिल यादव, राजकुमार यादव पामगढ़ विधिक सलाहकार प्रमुख शांति लाल यादव अकलतरा, नवीन यादव बिलासपुर, संतोष यादव पामगढ़ चुनाव प्रक्रिया पूर्णत: लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुई, जिसमें सभी सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को समाजजनों ने बधाई दी एवं समाजहित में कार्य करने का संकल्प दिलाया। इस एक दिवसीय अधिवेशन में शिक्षा, रोजगार, सामाजिक एकता, और युवा सशक्तिकरण जैसे विषयों पर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। साथ ही, भविष्य में समाज की ओर से नियमित कार्यशालाएं एवं विकास कार्यक्रम चलाने पर भी सहमति बनी।

युक्तियुक्तकरण की विसंगति पर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जांजगीर चांपा। शिक्षक साझा मंच द्वारा युक्तियुक्त करण प्रक्रिया में व्यापक विसंगति पर एस. डी. एम.सुब्रत प्रधान व जिला शिक्षा अधिकारी अश्वनी कुमार भारद्वाज को मुख्यमंत्री छ ग शासन, शिक्षा सचिव, संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़, रायपुर के नाम ज्ञापन सौंपा गया।त्रुटिपूर्ण काउंसलिंग पर बौखलाए शिक्षक डी ई ओ को ज्ञापन सौंपने के बाद मोटर साइकिल रैली से नारे बाजी के साथ एस डी एम कार्यालय पहुंचकर एस. डी. एम .सुब्रत प्रधान को ज्ञापन सौंपा गया।

सौंपे गए ज्ञापन में 2/8/2024 युक्तियुक्तकरण नियम के तहत हुए युक्तियुक्तकरण को निरस्त कर 31/03/2008 के सेटअप के आधार युक्तियुक्तकरण करने, क्रमोन्नति का जनरल आर्डर जारी करने,जिले में युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में दावा आपत्ति नहीं लिया गया, कई मामलों में वरिष्ठ को कनिष्ठ एवं कनिष्ठ को वरिष्ठ बनाया गया, समस्त रिक्त पदों की जानकारी सार्वजनिक नहीं किया गया, कालखंड के अनुसार रिक्त पद की गणना का मापदंड ब्लॉक में अलग अलग निर्धारित किया गया, अतिशेष घोषित करने की प्रक्रिया में कुछ शिक्षकों को जबरदस्ती अतिशेष घोषित किया गया, विद्यार्थी दर्ज संख्या में हेर फेर किया गया, इसके साथ ही युक्तियुक्तकरण में व्यापक विसंगतियां है, अतः दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही किया जावे, उपरोक्त व्यापक विसंगति को देखते हुए 2/8/2024 को जारी नियम के तहत हुए विद्यालय एवं शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण को तत्काल निरस्त

किया जाए। युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया सेटअप 2008 के विपरीत है। विद्यालय में सेटअप 31/03/ 2008 में वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत पद के अनुरूप प्राथमिक विद्यालयों में 60 विद्यार्थियों पर एक प्रधान पाठक एवं दो सहायक शिक्षक तथा पूर्व माध्यमिक शाला में 105 विद्यार्थियो पर एक प्रधान पाठक व चार शिक्षक का पद यथावत रखा जावे। हायर सेकेंडरी स्कूल में वाणिज्य संकाय के पूर्ववत 2 पद रखा जावे।क्रमोन्नत वेतनमान - माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर WA 261/2023 डबल बैंच के दिनांक 28/02/2024 को पारित निर्णय अनुसार श्रीमती सोना साहू शिक्षक पंचायत/शिक्षक एल बी को पंचायत व शिक्षा विभाग का पूर्व सेवा अवधि की गणना कर एरियर्स सहित क्रमोन्नत वेतनमान भुगतान किया गया है, इसी तरह प्रदेश के सभी पात्र शिक्षक एल.बी. संवर्ग के लिए एरियर्स सहित क्रमोन्नत वेतनमान भुगतान के लिए जनरल आर्डर जारी किया जाए।

शिक्षक एल.बी. संवर्ग को प्रथम नियुक्ति तिथि से पूर्व सेवा गणना कर पेंशन व अन्य लाभ प्रदान किया जाए।

पदोन्नति में बीएड प्रशिक्षण की अनिवार्यता को शिथिल किया जावे, पूर्व की भांति शिक्षक से व्याख्याता एवं व्याख्याता से प्राचार्य पदोन्नति के लिए बी.एड. प्रशिक्षण अनिवार्यता शिथिल कर डी.एड. प्रशक्षित शिक्षक संवर्ग को पदोन्नति हेतु अवसर प्रदान किया जाए, प्राचार्य के सीधी भर्ती के 10% पदों को विभागीय परीक्षा लेकर तत्काल पद पूर्ति किया जाए।

ज्ञापन सौंपने प्रदेश सह संयोजक बसंत चतुर्वेदी,जिला संयोजक संतोष शुक्ला,सत्येंद्र सिंह,विकास सिंह,रविन्द्र राठौर जिला सह संयोजक डॉ.बोधी राम साहू,सैयद रफीक,विजय प्रधान,संजय दुबे,परेश सिंह,शरद राठौर,दिनेश तिवारी,दिलीप भारती,विवेक राठौर,रेवतीरमन सिंह,विनोद चौबे, विकेश केशरवानी, उत्तम साहू, नवधा चंद्रा, जगेंद्र वस्त्रकार,सतीश सिंह,राजकिशोर धीरही, धीरेन्द्र राठौर, प्रमित सिंह,कोमल वैष्णव,खंभेलाल धीवर,रामेश्वर आदित्य,पूनम साहू,जय तिवारी,राजीव नयन शुक्ल,विमल किशोर दुबे,रामस्वरूप साहू,हरीश गोपाल,धनु राम साहू,शिव साहू,मनीष शर्मा,मनीष सिंह चंदेल,राममही साहू,देवेंद्र तिवारी,संगीता सोनी,अलका साहू सहित सैकड़ों रैली में शामिल रहकर ज्ञापन सौंपा गया।

शराब पीकर दुर्व्यवहार करने वाले क्लर्क निलंबित

जांजगीर। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 रूपेश राठौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राठौर पर कार्यालय परिसर में शराब पीकर अशोभनीय और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने का आरोप है, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। कलेक्टर ने इस कृत्य को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3(7) और 23 का उल्लंघन माना है।

गोल शॉट बाल नेशनल रैफरी के लिए चयन जांजगीर चांपा से प्रहलाद कुम्हार का

जांजगीर चांपा। 13 जून से 15 जून तक आयोजित तीसरी महिला राष्ट्रीय गोल शॉट बाल प्रतियोगिता संगरूर पंजाब में प्रहलाद कुम्हार का नेशनल रैफरी के रूप में चयन हुआ जिसमे प्रहलाद कुम्हार की कटी मेहनत आज रंग लाई हाल ही में प्रथम गोल शॉट बाल का जांजगीर चांपा में राज्य स्तरीय गोल शॉट बाल प्रतियोगिता हुआ जिसमें प्रल्हाद का रैफरी के रूप में बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता संपूर्ण कराया गया

बिहार बेगूसराय में आयोजित नेशनल रैफरी कोर्स कर बने नेशनल रैफरी जिससे प्रदेश में खुशी का माहौल बना हुआ है।

छत्तीसगढ़ गोल शॉट बाल एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी गौरव कटकवार ने बताया कि प्रहलाद बहुत ही मेहनती और एक अच्छे खिलाड़ी भी है जिससे उनमें मेहनत करने का जुनून भी है छत्तीसगढ़ गोल शॉट बाल एसोसिएशन के सभी पदाधिकारि प्रेसिडेंट अमन कुमार साहू ज्वाइंट सेक्रेटरी धर्मेंद्र पटेल सीनियर वॉयस प्रेसिडेंट हरीश सिंह राजपूत ट्रेजरार कुसुम ने प्रहलाद के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।

3 निरीक्षक बने उप पुलिस अधीक्षक

सक्ती। राज्य शासन के द्वारा दिनांक 6 जून को राज्य भर के 46 निरीक्षकों को उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति का आदेश जारी किया गया था। इस आदेश में सक्ती जिला के तीन निरीक्षक बृजेश तिवारी, श्रीमती सतरुप तराम और विवेक शर्मा को भी उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ किया गया। आज जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने तीनों पदोन्नत निरीक्षकों को स्टार और केप लगाकर उन्हें विधिवत उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के रूप में पुलिस विभाग में शामिल किया। पुलिस अधीक्षिका अंकिता शर्मा ने अनुपम पहल करते हुए, पदोन्नत अधिकारियों के परिजनों को भी इस सुअवसर पर स्टार सेरेमनी में शामिल किया। तीनों अधिकारियों

को पुलिस अधीक्षक ने बधाई देते हुए, अपने नवीन कर्तव्यों का निर्वाहन जिम्मेदारी और निष्पक्षता से करने की सिख भी दी। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक हरीश यादव, एसडीओपी सक्ति

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना। जनदर्शन में कुल 94 आवेदन प्राप्त हुए, कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जनदर्शन में तहसील जांजगीर के ग्राम मुनुन्द निवासी श्रीमती श्यामता बाई ने ऋण पुस्तिका जारी करने हेतु आवेदन लेकर पहुंची। कलेक्टर ने आवश्यक जांच करते हुए ऋण पुस्तिका जारी करने के निर्देश एसडीएम को दिए। इसी प्रकार जनदर्शन में तहसील पामगढ़ के ग्राम सिल्ली निवासी श्रीमती संगीता पंकज द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत अप्रुअल हेतु आवेदन प्रस्तुत किये। जिस पर कलेक्टर ने महाप्रबंधक उद्योग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। तहसील नवागढ़ के ग्राम पंचायत चौराभांठा निवासी श्री नंदकुमार द्वारा पैतृक भूमि के खसरा में सुधार कराने संबंधी आवेदन लेकर पहुंचे। जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार नवागढ़ को आवश्यक कार्रवाई कर खसरा में सुधार करने के निर्देश दिए।

युक्तियुक्तकरण के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने किया बीईओ ऑफिस का घेराव

पामगढ़। छत्तीसगढ़ शासन के शालाओं को मर्ज करने और युक्तियुक्तकरण के आदेश के विरोध में आज ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा जोरदार प्रदर्शन कर बीईओ कार्यालय का घेराव किया । यह प्रर्दशन प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पामगढ़ द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष नवल सिंह की अगुवाई , जिला कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष देवकुमार पाण्डेय , पूर्व ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह , जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रीति अजय दिव्य की उपस्थिति में किया गया। प्रदर्शन को देखते हुए बीईओ कार्यालय में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। कार्यालय घुसने के प्रयास में पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी की स्थिति रही। घेराव के लिए कांग्रेस जन अंबेडकर चौक से गगन भेदी नारों के साथ पैदल निकले जिसके लिए स्थानीय प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी कर कांग्रेस जनों को रोकने के बीइओ आफिस के बाहर बेरीकेट्स लगा रखे थे । प्रर्दशन में प्रमुख रूप से प्रमुख नेताओं के साथ अजय दिव्य, मनोज तिवारी,राजेंद्र यादव ,शिवशंकर सोनी, घासीराम चौहान , पामगढ़ नगर अध्यक्ष योगेश बघेल, खरौद नगर कांग्रेस अध्यक्ष, केबी यादव , प्रमेंद्र यादव, रामेश्वर यादव,अशोक खूंटे, , अनिल बघेल, कोमल ब्रह्मभट्ट, द्वारिका यादव, ओंकार रायसागर ,किशोर सिंह, ऊदल कश्यप,विजय यादव, राजकपूर साहू, राधेश्याम नोर्गे, राजेश मनहर,सजेंद्र मनहर, दीनदयाल साहू, घनश्याम साहू, दशरथ धीवर, सनिचराम कश्यप, नरेश सिंह, जय साहू, देवनारायण वैष्णव, भारत भूषण बंजारे उपस्थित रहे।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार जांजगीर, जिला जांजगीर चांपा (छग)

//ईश्तहार//

क्रमांक-०/ तह/वा/ जन्म-मृत्यु 2024
जांजगीर, दिनांक--/--/2024-25
मृत्यु प्रमाण पत्र रा.प्र.क्र......-/ब-121/202/21
ग्राम-बिरगहनी

एतद द्वारा आम जनता ग्राम बिरगहनी को सूचित किया जाता है कि आवेदक ईश्वर प्रसाद पिता रामकुमार साकिन ग्राम बिरगहनी तहसील-जांजगीर जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) द्वारा प.ह.न. ग्राम बिरगहनी में अपने/ अपनी दूधमत के मृत्यु दिनांक 12/2/2008 को होने से मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 17/06/2025 के पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात दावा/आपत्ति पर विचार न करते हुए आवेदक के पक्ष में मृत्यु पंजीयन की कार्यवाही कर दी जाएगी ।

आज दिनांक 2/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

सील

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जांजगीर (छग)

कलेक्टर महोबे ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर लंबित प्रकरण एवं विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित कर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने कहा। बैठक में कलेक्टर ने 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को गरिमामय एवं प्रभावी ढंग से मनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में जनभागीदारी सुनिश्चित हो तथा आम नागरिकों में योग के प्रति जागरूकता बढ़े। उन्होंने आयोजन स्थल, प्रशिक्षक, प्रचार-प्रसार एवं अन्य योग दिवस संबंधी सभी तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि वे धान के स्थान पर अन्य लाभकारी फसलों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण से मिट्टी की गुणवत्ता, जल संरक्षण और आय में वृद्धि संभव है। उन्होंने धान के बदले अन्य लाभकारी फसल लेने हेतु कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएम आवास योजना में आ रही समस्याओं की गहन समीक्षा करते हुए समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए।

अनमोल वचन......

अच्छी सोच वाले व्यक्ति को उसका लक्ष्य पाने से दुनियां में कोई नहीं रोक सकता, जबकि बुरी सोच वाले व्यक्ति की कोई मदद नहीं कर सकता.

देश की मौजूदा राजनीति में न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण

प्रधान न्यायाधीश बीआर गंवई ने कहा है कि न्यायपालिका व विधायिका का मौलिक कर्त्तव्य है, देश के उस आखिरी नागरिक तक पहुंचना जिसे न्याय की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब भी संकट आया, भारत एकजुट रहा। इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अधिवक्ता चैंबर भवन व मल्टीलेवल पार्किंग के उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, संविधान लागू होने पिछत्तर वर्ष की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका ने सामाजिक-आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है। बार व बेंच को सिक्के के दो पहलू बताते हुए मिल कर काम न करने पर रथ के आगे न बढ़ने की चर्चा भी की।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिवक्ताओं की समस्याएं दर करने के लिए केंद्र के सतत प्रयासरत रहने और अधिवक्ता निधि की राशि बढ़ा कर पांच लाख करने की बात की। पेड़ों के नीचे बैठ कर काम करने वाले वकीलों की चर्चा करते हुए उन्होंने एयरकंडीशनर उनके गुस्से को ठंडा करने जैसी बात की। बेशक, यह केवल उच्च न्यायालय परिसर की बात थी। देश के किसी भी मुख्यमंत्री को विचारना चाहिए कि अमूमन वकीलों तो क्या जिला जजों के लिए न तो ढंग की बैठने की जगह है, न स्वच्छ/शीतल जल है। एसी तो बहुत दूर की बात है। प्रधान न्यायाधीश द्वारा की गई मुख्यमंत्री की तारीफ में इसका ख्याल किया जाना लाजिमी था क्योंकि जिलों में कार्यरत वकीलों व न्यायाधिकारियो को भी शीषाधिकारियों से उम्मीद होती है कि वे उनकी दशा पर भी दो बाले बोलें। यह पहला मौका था जब प्रधान न्यायाधीश के तौर पर वे इलाहाबाद गए थे। हालांकि उन्होंने अपने वक्तव्य में उन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद आगे की बात कहने पर भी जोर दिया। जैसा कि वे इसी वर्ष नवम्बर में रिटायर हो रहे हैं। देश की मौजूदा राजनीति में न्यायपालिका की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती जा रही है। संविधान समानता की दिशा तो दे रहा है मगर व्यावहारिक तथ्य यह भी है कि अभी भी बड़ा वर्ग आर्थिक-सामाजिक तौर पर वंचित है जिन्हें राजनीतिक दल केवल वोट बैंक के नजरिए से आंकते हैं। देश का वह आखरी नागरिक आज भी कातर भाव से शीर्ष पर बैठे लोगों को ताक रहा है जिसे न तो अपने अधिकारों का ज्ञान है, न ही उसकी तूती की आवाज में दम है।

राशिफल

मेष राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको किसी कार्य के प्रति की गई मेहनत के सकारात्मक परिणाम मिलने वाले हैं इसलिए ज्यादा से ज्यादा फोकस रहे। किसी शुभचिंतक की मदद आपके लिए उम्मीद की किरण लेकर आएगी। इस राशि के छात्र अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे और कोई नई उपलब्धि भी हासिल करेंगे।

वृष राशि- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। जो लोग मीडिया के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा होगी। किसी खास व्यक्ति का सहयोग आपको मिलेगा। आज किसी मित्र की मदद से आपकी कोई विशेष समस्या हल होनी वाली है। जीवन स्तर को सुधारने का प्रयास काफी हद तक सफल रहेगा।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आज किसी वजह से आपके स्वभाव में चिड़चिड़ापन आ सकता है। जिसका असर घर की व्यवस्था पर भी पड़ेगा। इस राशि के जो लोग नौकरी कर रहे हैं उनको आज फाइल या पेपर वर्क पूरा करने के लिए ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

कर्क राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज दूसरों की मदद और सहयोग में आपका योगदान बना रहेगा। सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। किसी धार्मिक समारोह में जाने से लोगों के साथ में मुलाकात होगी और मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह राशि- आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आज घर के वरिष्ठ सदस्यों का मान-सम्मान बनाए रखेंगे तो सभी के चेहरे पर आपको खुशी देखने को मिलेगी। घर के रखरखाव संबंधी वस्तुओं की खरीददारी करते समय अपने बजट का भी ख्याल रखेंगे तो आपको भविष्य में कोई परेशानी नहीं होगी ।

कन्या राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रुचि पूर्ण कार्यों में बेहतरीन समय बीतेगा। घर में उचित व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कामयाब होगी। आज आपका आत्मविश्वास नई उम्मीद और आशाओं को फिर से जायेगा। दूसरों के मामले में ज्यादा हस्तक्षेप करने से दूर रहे। इसकी वजह से आपको समस्या हो सकती है। आज दांपत्य जीवन सुखद और प्रेम पूर्ण रहेगा।

तुला राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यावसायिक मामलों में कुछ बदलाव आएंगे। जल्दबाजी की बजाय सहज तरीके से समाधान निकालेंगे। आज ऑनलाइन गतिविधियों द्वारा नई-नई व्यावसायिक जानकारियां हासिल करेंगे। इस राशि के नौकरी कर रहे लोगों को खास जिम्मेदारी मिल सकती है। आज व्यवस्थित दिनचर्या और खान-पान रखने से स्वास्थ्य संबंधी चल रही समस्या से कुछ राहत मिलेगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज दिन की शुरुआत किसी सुखद घटना से होगी। किसी मित्र अथवा सहयोगी द्वारा फोन के माध्यम से कोई महत्वपूर्ण सूचना मिलेगी। जिससे आप खुश और तनावमुक्त महसूस करेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने में आपका विशेष योगदान रहेगा।

धनु राशि- आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिलेगी,जिनको आप अच्छी तरह से निभाएंगे। आज आपकी कई तरह की गतिविधियों में व्यस्तता रहेगी तथा फाइनेंस संबंधित कुछ योजनाएं भी बनने के अवसर हैं । आपका कर्म प्रधान होना आपके भाग्य को और अधिक मजबूत कर रहा है। किसी धार्मिक अथवा सामाजिक आयोजन में अपना योगदान देने से आपको हार्दिक खुशी मिलेगी।

मकर राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज कुछ नई बातों की जानकारियां मिलेंगी। अच्छे लोगों से मेल मिलाप एक नई ऊर्जा प्रवाहित करेगा। आज किसी काम से घबराने की बजाय समस्या का हल ढूंढ लेंगे। इस राशि के स्पोर्ट्स से जुड़े विद्यार्थियों के लिए लाभदायक अवसर के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर पर अचानक से कोई रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आयेंगे। अन्य गतिविधियों में व्यस्त रहने के साथ-साथ अपने व्यक्तिगत कार्यों पर भी ध्यान दें। प्रॉपर्टी से संबंधित कुछ परेशानियां अभी बनी रहेंगी।

मीन राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज कोई नकारात्मक समाचार मिलने पर तनाव में न आए और न ही जल्दबाजी और भावुकता में कोई भी निर्णय ले। धैर्य और संयम बनाकर रखेंगे तो जल्द ही सब ठीक भी होगा। इस राशि के जो लोग अविवाहित है आज उन लोगों के जीवन में खुशखबरी आने के योग बन रहे हैं ।

राजनीति में नैतिकता का क्षरण ना हो

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। इसके अलावा प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि 'मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत है' भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है, किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार पटेल, लाला लाजपत राय और न जाने कितने महान लोगों ने ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था।

देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे-धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है कि राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है।

स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन-केन-प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है और यही कारण है कि आज अधिकतर राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगते हैं। सर्वविदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है। इसका उपयोग वे अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। राजनीति में भाई-भतीजावाद सामान्य लक्षण है। कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो; बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी, बेटे आदि को मिल जाए। इतना ही नहीं कई बार सगे-संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटिलज्म ठीक तरीके से पैर जमा चुका है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्त्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने में कतई गुरेज नहीं करते हैं।

इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है, लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीलिए संविधान तथा इस अधिनियम में जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता एवं अपराधिक निर्योग्यता का प्रावधान किया जाना चाहिए, जिससे राजनीति थोड़ी साफ-सुथरी हो और नैतिकता तथा आत्मबल में वृद्धि हो। पढ़े लिखे, शिक्षित लोगों की राजनीति में आने से वहां का वातावरण थोड़ा शुद्ध होने की संभावना बनती है और देश के विकास को भी बल मिलता है।

यह बात महत्त्वपूर्ण है कि सामान्यता अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को विधानसभा या लोक सभा में टिकट नहीं दी जानी चाहिए। प्रायः देखा गया है कि अनैतिकता की शुरु आत अधिक धन के संचालित होती है। इसीलिए सभी राजनीतिक दलों के प्राप्त चंदे को ऑडिट के दायरे में लाया जाना चाहिए। सदनों की नियमावली में परिवर्तन करते हुए सूचना के अधिकार के अंतर्गत जिसमें पार्टीयों की गतिविधियां भी आरटीआई के दायरे में लाई जा सके। हाल ही में संसद की निष्पादन क्षमता में भारी कमी आई है, क्योंकि प्रत्येक राजनीतिक दल संसद का प्रयोग राजनीतिक लाभ के लिए करने लगे हैं, इसीलिए नियमावली में परिवर्तन के साथ इस पर लगाम लगाई जानी चाहिए। इससे राजनीति में नैतिकता का क्षरण ना हो।

रक्षा परियोजनाओं में देरी टाइमलाइन

विनीत नारायण

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ माशर्ल अमरप्रीत सिंह ने 29 मई, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एक सभा में रक्षा परियोजनाओं में देरी को लेकर महत्त्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा, 'टाइमलाइन बड़ा मुद्दा है। मेरे विचार में एक भी परियोजना ऐसी नहीं है, जो समय पर पूरी हुई हो। कई बार हम कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय जानते हैं कि यह सिस्टम समय पर नहीं आएगा। फिर भी हम कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लेते हैं।' यह बयान भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में चल रही प्रक्रिया पर सवाल उठाता है।

एयर चीफ माशर्ल सिंह ने अपने बयान में विशेष रूप से हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. द्वारा तेजस एमके1ए फाइटर जेट की डिलीवरी में देरी का उल्लेख किया। यह देरी 2021 में हस्ताक्षरित 48,000 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा है, जिसमें 83 तेजस एमके1ए जेट्स की डिलीवरी मार्च, 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक एक भी विमान डिलीवर नहीं हुआ है। उन्होंने तेजस एमके 2 और उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में प्रोटोटाइप की कमी और देरी का भी जिक्र किया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद, जिसे उन्होंने 'राष्ट्रीय जीत' करार दिया गया है, उनके बयान का महत्त्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि यह रक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करता है। पहली बार नहीं है जब एचएएल की आलोचना हुई है। फरवरी, 2025 में एयरो इंडिया 2025 के दौरान एयर चीफ माशर्ल सिंह ने एचएएल के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था, 'मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं है, जो बहुत गलत बात है।' यह बयान एक अनौपचारिक बातचीत में रिकॉर्ड हुआ था, लेकिन इसने रक्षा उद्योग में गहरे मुद्दों को उजागर किया। रक्षा परियोजनाओं में देरी के कई कारण हैं, जिनमें से कुछ संरचनात्मक और कुछ प्रबंधन से संबंधित हैं। तेजस रूद्म1 की डिलीवरी में देरी का एक प्रमुख कारण जनरल इलेक्ट्रिक से इंजनों की धीमी आपूर्ति है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में समस्याएं विशेष रूप से 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद भारत पर लगे प्रतिबंधों ने एचएएल की उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है। सिंह ने एचएएल को 'मिशन मोड' में न होने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एचएएल के भीतर लोग अपने-अपने साइलो में काम करते हैं, जिससे समग्र तस्वीर पर ध्यान नहीं दिया जाता। यह संगठनात्मक अक्षमता और समन्वय की कमी का संकेत है। सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही यह स्पष्ट होता है कि समय सीमा अवास्तविक है। फिर भी, कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए जाते हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू से ही खराब हो जाती है। यह एक गहरी सांस्कृतिक समस्या को दर्शाता है, जहां जवाबदेही की कमी है। हालांकि सरकार ने एएमसीए जैसे प्रोजेक्ट्स में निजी क्षेत्र की भागीदारी को मंजूरी दी है, लेकिन अभी तक रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका सीमित रही है। इससे एचएएल और डीआरडीओ जैसे सार्वजनिक उपक्रमों पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती है, जो अक्सर समय सीमा पूरी करने में विफल रहते हैं। भारत की रक्षा खरीद प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली है। डिजाइन और विकास में देरी, जैसे कि तेजस एमके 2 और एएमसीए के प्रोटोटाइप की कमी, भी परियोजनाओं को और पीछे धकेलती है। रक्षा परियोजनाओं में देरी का भारतीय वायुसेना की परिचालन तत्परता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में भारतीय वायु सेना के पास 42.5 स्क्वाड्रनों की स्वीकृत ताकत के मुकाबले केवल 30 फाइटर स्क्वाड्रन हैं। तेजस एमके1ए जैसे स्वदेशी विमानों की देरी और पुराने मिग-21 स्क्वाड्रनों का डीकमीशनिंग इस कमी को और गंभीर बनाता है। देरी से रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रगति भी प्रभावित होती है। सिंह ने कहा, 'हमें केवल भारत में उत्पादन की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि डिजाइन और विकास भी भारत में करना चाहिए।' देरी न केवल भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता को कमजोर करती है, बल्कि रक्षा उद्योग में विश्वास को भी प्रभावित करती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे हालिया सैन्य अभियानों ने स्पष्ट किया है कि आधुनिक युद्ध में हवाई शक्ति की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, और इसके लिए समय पर डिलीवरी और तकनीकी उन्नति अनिवार्य है। एयर चीफ माशर्ल अमरप्रीत सिंह के बयान ने रक्षा क्षेत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया है। रक्षा कॉन्ट्रैक्ट्स में यथार्थवादी समय सीमाएं निर्धारित की जानी चाहिए। सिंह ने सुझाव दिया, 'हमें वही वादा करना चाहिए जो हम हासिल कर सकते हैं।'

इसके लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करने से पहले गहन तकनीकी और लॉजिस्टिकल मूल्यांकन की आवश्यकता है। एएमसीए प्रोजेक्ट में निजी क्षेत्र की भागीदारी सकारात्मक कदम है। निजी कंपनियों को रक्षा उत्पादन में और अधिक शामिल करने से एचएएल पर निर्भरता कम होगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। एचएएल और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों को 'मिशन मोड' में काम करने के लिए संगठनात्मक सुधार करने चाहिए। इसके लिए समन्वय, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और कर्मचारी प्रशिक्षण में सुधार की आवश्यकता है। इंजन और अन्य महत्त्वपूर्ण घटकों के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता को कम करने के लिए स्वदेशी विकास पर ध्यान देना होगा। रक्षा खरीद प्रक्रिया को सरल और तेज करने की आवश्यकता है ताकि अनावश्यक देरी से बचा जा सके।

एयर चीफ माशर्ल सिंह का बयान रक्षा क्षेत्र में गहरी जड़ें जमाए बैठी समस्याओं को उजागर करता है। उनकी स्पष्टवादिता न केवल जवाबदेही की मांग करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि भारत को आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए तैयार रहने के लिए तत्काल सुधारों की आवश्यकता है। तेजस एमके1ए, एमके 2 और एएमसीए जैसे प्रोजेक्ट्स भारत की रक्षा क्षमता के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। इनमें देरी न केवल हमारी फौज की तत्परता को प्रभावित करती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। सरकार, रक्षा उद्योग और निजी क्षेत्र को मिल कर इन चुनौतियों का समाधान करना होगा ताकि भारत न केवल उत्पादन, बल्कि डिजाइन और विकास में भी आत्मनिर्भर बन सके। सिंह का यह बयान चेतावनी तो है ही, लेकिन साथ ही रक्षा क्षेत्र को 'सर्वश्रेष्ठ' करने की दिशा में एक अवसर भी है।

तस्वीरों की दुनिया

हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की.

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने चंडीगढ़ में मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर मीडिया को संबोधित किया.

स्विट्जरलैंड में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय व्यापार प्रतिनिधियों से मुलाकात की.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

नई दिल्ली के द्वारका सेक्टर 13 में सबद अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल पर एक फ्लैट में आग लगने के बाद धुआं उठता हुआ। इस दुखद घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की कथित तौर पर मौत हो गई।

वजाहत खान, जिनकी एफआईआर के कारण शर्मिष्ठा पनोलिस की गिरफ्तारी हुई थी, को कोलकाता में सोशल मीडिया के माध्यम से कथित रूप से नफरत फैलाने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में शहर की अदालत में पेश किया गया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कोलकाता में मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों के साथ अंतरिक्ष की उड़ान भरेंगे गगनयात्री शुभांशु, अपने सफर पर होंगे रवाना

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में दोबारा भारत का परचम लहराने का 41 साल का इंतजार जल्द पूरा होने वाला है। 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की उम्मीदों के साथ वायुसेना के ग्रुप कैप्टन गगनयात्री शुभांशु शुक्ला भारतीय समय अनुसार बुधवार शाम 5.30 बजे तीन साथी अंतरिक्षयात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) के सफर पर रवाना होंगे।भारत के स्वदेशी अर्तंरिक्ष मिशन गगनयान के लिए चुने गए शुभांशु आइएसएस की उड़ान भरने वाले पहले भारतीय होंगे। वह अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा 1984 में सोवियत संघ के सोयूज अंतरिक्षयान से अंतरिक्ष स्टेशन सैल्यूट 7 पर गए थे।वायुसेना ने शुभांशु को गौरव के साथ आसमान छूने की शुभकामना दीं। वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट किया, ग्रुप कैप्टन शुभांशु अंतरिक्ष मिशन पर जाने की तैयारी कर रहे हैं।वायुसेना प्रमुख और सभी वायु योद्धा उन्हें और एक्सिओम-4 के चालक दल को आइएसएस की सुरक्षित और सफल यात्रा के लिए शुभकामना देते हैं। गौरव के साथ आकाश को छूओ!एक्सिओम स्पेस के मिशन एक्सिओम-4 के तहत शुभांशु फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से आइएसएस के सफर पर रवाना होंगे।शुभांशु के साथ जाने वाले अंतरिक्षयात्रियों में पोलैंड से स्लावोस्ज उजनांस्की-विस्नीवस्की, हंगरी से टिबोर कापू और मिशन की कमांडर अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन शामिल हैं। शुभांशु मिशन के पायलट होंगे।स्पेसएक्स, नासा और एक्सिओम स्पेस फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर में मौसम के मिजाज पर नजर रख रहे हैं। स्पेसएक्स का फाल्कन-9 राकेट मंगलवार शाम फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से रवाना होने वाला था, लेकिन खराब मौसम को एक दिन के लिए टाल दिया गया था।एक्सिओम-4 मिशन को पहले भी दो बार टालना पड़ा था। अंतरिक्षयात्रियों को 29 मई को रवाना होना था, लेकिन इसे आठ जून तक टाला गया। इसके बाद इसे 10 जून तक टाला गया।स्पेसएक्स के उपाध्यक्ष विलियम गे?र्स्टनमेयर ने

कहा कि इंजीनियरों ने फाल्कन-9 रॉकेट में कुछ खामियों को ठीक कर लिया है, जो स्टैटिक फायर टेस्ट के दौरान पाई गई थीं।चालक दल के सदस्य आइएसएस में 14 दिन रहकर कई प्रयोग करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उनसे बात कर सकते हैं। चालक दल स्कूली छात्रों, शिक्षकों और भारतीय अंतरिक्ष उद्योग के सदस्यों के साथ भी संवाद करेगा।गगनयान मिशन के लिए हुआ है शुभांशु का चयन शुभांशु को इसरो के मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान के लिए भी शार्टलिस्ट किया गया है। गगनयान को 2027 में लांच किए जाने की संभावना है। गगनयान अभियान में पृथ्वी की 400 किलोमीटर पर स्थित निचली कक्षा में अंतरिक्षयात्रियों को भेजा जाएगा।इसके बाद पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी भी कराई जाएगी। उनकी इस यात्रा से उन्हें अंतरिक्ष उड़ान संचालन आपातकालीन तैयारियों के लिए व्यावहारिक अनुभव मिलेगा जो भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए आवश्यक है। इसरो एक्सिओम-4 मिशन पर 550 करोड़ रुपये खर्च करेगा।एएनआइ के अनुसार इसरो में सेवा दे चुके विज्ञानी नंबी नारायणन ने कहा है कि यह मिशन गगनयान परियोजना की प्रस्तावना है। इस मिशन के जरिये हमें इस तरह की स्थिति से निपटने का तरीका सीखने को मिल रहा है।10 अक्टूबर 1985 को लखनऊ में जन्मे शुभांशु ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल होने से पहले सिटी मांटेसरी स्कूल से स्कूली शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में एमटेक की डिग्री प्राप्त की है। उन्हें सुखोई - 30 एमकेआइ, मिग-29, जगुआर और डार्नियर-228 सहित विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमानों पर दो हजार घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है।शुभांशु की अंतरिक्ष उड़ान का जश्न मनाने के लिए लखनऊ में तैयारी है। सिटी मांटेसरी स्कूल ने पब्लिक वाच पार्टी की योजना बनाई है। पूरे शहर में बधाई देने वाले कई होर्डिंग्स लगाए गए हैं।सिटी मांटेसरी स्कूल ने नासा/एक्सिओम कमेंट्री के साथ स्पेसएक्स की लांचिंग को लाइव दिखाने के लिए कई स्क्रीन लगाई हैं। शुभांशु की बहन सुचि मिश्रा ने कहा, हम लांचिंग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मणिपुर और असम में 100 करोड़ रुपये से अधिक के ड्रग्स जब्त, नौ तस्करों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पिछले 48 घंटों के दौरान मणिपुर और असम में 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के ड्रग्स जब्त की है और नौ तस्करों को गिरफ्तार किया है।मणिपुर गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डीआरआइ, सीमा शुल्क, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चूड़चंद्रपुर जिले के सीमावर्ती इलाकों में ऑपरेशन व्हाइट वेल नामक एक विशेष अभियान चलाया गया।संयुक्त टीम ने 54.29 करोड़ रुपये मूल्य की 7,755.75 ग्राम हेरोइन और 87.57 लाख रुपये मूल्य की 6,736 ग्राम अफीम जब्त की, साथ ही 35.63 लाख रुपये नकद भी जब्त किए।

भारतीय तटरक्षक जहाज समुद्र प्रहरी और सचेत ने आग बुझाने और सीमा शीतलन अभियान चलाया, क्योंकि बंदरगाह पर 1015 लिस्टिंग वाले कंटेनर जहाज पर आग और विस्फोट जारी है। हालांकि आगे की खाड़ी में लगी आग पर अब काबू पा लिया गया है, लेकिन घना धुआं और गिरते कंटेनर खतरा बने हुए हैं। आगे की सहायता के लिए कोच्चि से आईसीजी जहाज समर्थ और बचाव दल को तैनात किया जा रहा है.

भारतीयों की जीवनरेखा हैं महासागर, इसे संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध, यूएन के सम्मेलन में बोला भारत

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को कहा कि महासागर भारतीयों की जीवनरेखा हैं। फ्रांस के नीस में संयुक्त राष्ट्र के तीसरे महासागर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत ने पहले ही हाई सीज पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।इस समय अनुमोदन की प्रक्रिया चल रही है। यह कदम समुद्री जैव विविधता के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह संधि अंतरराष्ट्रीय जल में जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग के लिए वैश्विक समझौता है।अंतरराष्ट्रीय जल को खुला समुद्र भी कहा जाता है। यह वैसे जलीय क्षेत्र होते हैं जो किसी भी देश के प्रादेशिक जल क्षेत्र में नहीं आते। जून 2023 में अपनाई गई यह संधि तब लागू होगी जब कम से कम 60 देशों द्वारा इसे अनुमोदित किया जाएगा।भारत ने पिछले वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन के पहले दिन, 18 और देशों ने इस संधि को अनुमोदित किया, जिससे कुल अनुमोदनों की संख्या 49 हो गई।जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत ने महासागर के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए हैं। समुद्री प्रदूषण, विशेष रूप से प्लास्टिक प्रदूषण वैश्विक चुनौती बनी हुई है। इससे निपटने के लिए स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान के तहत भारत में एक हजार किलोमीटर से अधिक समुद्र तट को साफ किया गया है। 2022 तक 50 हजार टन से अधिक प्लास्टिक कचरे का निस्तारण किया गया। केंद्रीय मंत्री ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल

महासागर नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।भारत ने स्वच्छ और स्वस्थ महासागरों को सुनिश्चित करने के लिए कई रणनीतिक पहलों का प्रस्ताव रखा, जिसमें समुद्री अनुसंधान और महासागर नीति और विज्ञान आधारित समाधान को आगे बढ़ाना शामिल है। भारत ने समुद्री संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार करने और जैव विविधता संरक्षण समझौते का समर्थन करने का भी आह्वान किया।जितेंद्र सिंह ने आगामी मानवयुक्त पनडुब्बी मिशन समुद्रयान, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध और 80 अरब डॉलर से अधिक की ब्लू इकोनमी परियोजनाओं पर भारत में हुई प्रगति के बारे में भी बताया। समुद्रयान परियोजना का उद्देश्य छह हजार मीटर तक की समुद्री गहराई का अन्वेषण करना है। इसे अगले साल तक लांच करना है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत नीस महासागर कार्य योजना का समर्थन करता है, जो एसडीजी 14 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्यान्वयन योग्य परिणामों, समावेशी साझेदारी को प्राथमिकता देता है।

पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य बने गौरव वल्लभ, लगी आधिकारिक मुहर

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य मनोनीत किया गया है।इस मनोनयन के साथ उनके पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद टीम में शामिल होने के कयासों पर आधिकारिक मुहर लग गई है।

भारतीय दवा कंपनियों पर पेटेंट नकल को पीयूष गोयल ने बताया झूठा, बोले- भारत के बारे में फैलाई जा रहीं गलत बातें

बर्न। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड की दवा कंपनियों की तरफ से भारतीय दवा कंपनियों पर उनके पेटेंट की नकल करने के आरोप को पूरी तरह से निराधार बताया। उन्होंने कहा कि भारत के बारे में इस प्रकार की गलत बातें फैलाई जा रही हैं। भारत उल्टा विदेशी कंपनियों के लिए नियम पालन के भार को कम कर रहा है।मंगलवार को बर्न में उद्यमियों और निवेशकों को संबोधन के बाद गोयल ने कहा कि स्विट्जरलैंड की दवा कंपनियों के साथ उनकी लगातार बैठक चल रही है और ये कंपनियां भारत में दवा निर्माण के लिए काफी उत्सुक हैं।उन्होंने कहा कि भारत की कोई भी कंपनी अगर पेटेंट की नकल या चोरी करती है तो उसके खिलाफ सख्ती की जाएगी।यूरोपीय फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के चार देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर इस साल सितंबर या अक्टूबर से अमल शुरू होने के बाद स्विट्जरलैंड से दवा निर्माण के कच्चे माल के निर्यात में बढ़ोतरी हो जाएगी।चीन के बाद स्विट्जरलैंड दवा निर्माण से जुड़े कच्चे माल का बड़ा सप्लायर है। शुल्क में छूट मिलने से अब भारत की दवा कंपनियां चीन की जगह स्विट्जरलैंड से कच्चे माल का आयात करना पसंद करेंगी।प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव के तहत अब भारत में काफी अधिक दवा के कच्चे माल का निर्माण होने लगा है। भारत के दवा निर्यात में लगातार बढ़ोतरी हो रही है जिसे देखते हुए स्विट्जरलैंड की दवा कंपनियां अब भारत में दवा का उत्पादन शुरू करना चाह रही है।स्विट्जरलैंड के निवेशक व उद्यमियों को संबोधित करते हुए गोयल ने साफ तौर पर कहा कि आज व्यापार में पारस्परिक युग चल रहा है। भारत भी बराबरी का व्यापार करना चाहता है। अगर स्विट्जरलैंड के उद्यमी अपनी मशीन के लिए भारत के मानक ब्यूरो से गुणवत्ता सर्टिफिकेट में छूट चाहते हैं तो भारतीय वस्तुओं के लिए भी स्विट्जरलैंड को यह छूट देनी होगी।गोयल ने कहा कि आस्ट्रेलिया और यूएई के बाद भारत ने हाल ही में ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया है। अमेरिका, यूरोपीय संघ के साथ हम समझौते के काफी करीब हैं। न्यूजीलैंड, पेरू, चिली जैसे देश के साथ भी वार्ता चल रही है। ईयू के साथ मुक्त व्यापार समझौते में दोनों पक्ष ने अपने-अपने संवेदनशील सेक्टर को वार्ता से दूर रखने का फैसला किया है।ईमंगलवार को गोयल के समक्ष स्विट्जरलैंड की कंपनी एनड्रेस प्लस हाउजर की तरफ से महाराष्ट्र में अतिरिक्त 40,000 वर्गमीटर से अधिक जमीन की मांग रखी गई। यह कंपनी पहले से महाराष्ट्र में मैन्यूफैक्चरिंग कर रही है और अपने विस्तार के लिए अतिरिक्त जमीन चाहती है, जिसे मिलने में दिक्कत हो रही है।बर्न में सुबह 11.30 बजे कंपनी की तरफ से बताई गई इस समस्या को सुनने के बाद गोयल ने महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री से बात की और अगले ढाई घंटे से भी कम समय में एनड्रेस प्लस हाउजर की इस समस्या का समाधान हो गया।गोयल ने कहा कि भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआइ) में कोई गिरावट की प्रवृत्ति नहीं है, हालांकि आवधिक उतार-चढ़ाव कभी -कभी वैश्विक ब्याज दर में बदलाव के कारण हो सकता है।उन्होंने कहा कि भारत में नए सिरे से विदेशी पूंजी प्रवाह देखने को मिला है। साथ ही सरकार सुझावों के लिए तैयार है और देश में एफडीआइ को बढ़ावा देने के लिए नए उपायों को अपनाएगी।

राज और सोनम का आमना-सामना, रिमांड पर शिलांग लाए गए दोनों आरोपी, पूछताछ में खुलेंगे बड़े राज

शिलांग। विवाह जैसे पवित्र रिश्ते और विश्वास को तार-तार कर पति राजा रघुवंशी की हत्या की मुख्य आरोपित सोनम रघुवंशी को पुलिस ट्रांजिट रिमांड के लिए शिलांग ले आई है। यहां सोनम से पूछताछ की जाएगी।मेघालय पुलिस सोनम रघुवंशी को लेकर रात करीब डेढ़ बजे शिलांग सदर पुलिस स्टेशन पहुंची। इसके बाद सोनम को मेडिकल जांच के लिए गणेश दास अस्पताल लाया गया। वहीं, पुलिस सोनम को वारदात वाली जगह पर लेकर जाएगी जहां पुलिस सीन रीक्रिएशन करेगी।बुधवार सुबह तक राज और सोनम समेत सभी आरोपित शिलांग पहुंच जाएंगे। बुधवार को स्थानीय कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपितों से आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की जाएगी। आरोपितों को घटना स्थल पर ले जाकर क्राइम सीन रिक्रिएशन भी करवाया जाएगा।राजा रघुवंशी की हत्या की मुख्य आरोपित सोनम रघुवंशी से पुलिस की पूछताछ में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। शिलांग में घटना को अंजाम देने के बाद वह ट्रेन से इंदौर लौटी और देवास नाका क्षेत्र में किराये के कमरे में ठहर गई। वहीं वह प्रेमी राज कुशवाहा से भी मिली। दो दिन बाद राज ने किराये की कार से सोनम को गाजीपुर के लिए रवाना किया।25 वर्षीय सोनम शिलांग पुलिस की हिरासत में आते ही घटना से जुड़े राज उगलने लगी है। मंगलवार को पुलिस पूछताछ के दौरान सोनम और प्रेमी राज में तकरार हो गई। इसी दौरान पुलिस को ऐसी जानकारी हाथ लगी, जिसका उन्हें दो दिन से इंतजार था।दरअसल, शिलांग की ईस्ट खासी हिल्स थाना पुलिस हत्या के एक आरोपित विशाल उर्फ विक्की को उसका मोबाइल फोन जब्त करने के लिए उसके इंदौर में नंदबाग स्थित घर ले गई। घंटों तलाशी के बाद भी फोन न मिलने से बिफरे पुलिसकर्मियों ने विक्की और राज की पिटाई कर दी।

भारी विरोध के बीच मुहम्मद यूनुस की ब्रिटेन यात्रा शुरू

लंदन। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को अपनी ब्रिटेन की चार दिवसीय यात्रा शुरू की। इस दौरान हीथ्रो हवाई अड्डे के बाहर और सेंट्रल लंदन के एक होटल में सैकड़ों प्रदर्शनकारी एकत्र हुए। उनके हाथों में काले झंडे और बैनर थे जिनमें से कई पर लिखा था - यूनुस मुक्ति संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों का हत्यारा है। प्रदर्शनकारियों ने यूनुस वापस जाओ जैसे नारे लगाए और आरोप लगाया कि वह बांग्लादेश में उग्रवाद और कट्टरपंथ को बढ़ावा दे रहे हैं। कई लोगों ने हिरासत में लिए गए हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई की भी मांग की और कहा कि इसके बजाय यूनुस को मुकदमे का सामना करना चाहिए और सलाखों के पीछे होना चाहिए।कई प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि प्रदर्शनकारियों में से अधिकांश अवामी लीग के थे और ब्रिटेन में रहने वाले बांग्लादेशी भी शामिल थे जो 10 महीने पहले यूनुस के सत्ता में आने के बाद से देश छोड़ने के लिए मजबूर हुए थे।

भारत सटीक मौसम पूर्वानुमान में विकसित देशों के समकक्ष पहुंचा, अमित शाह ने मोदी सरकार को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि एक दशक पहले भारत मौसम पूर्वानुमान में काफी पीछे था, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश इस मामले में विकसित देशों के समकक्ष पहुंच गया है।बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में शाह ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को प्रभावी बाढ़ प्रबंधन के लिए राज्यों के साथ समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश का आपदा प्रबंधन जीरो कैजुअल्टी अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है। हमें इस मामले में विश्व में नंबर एक बनना है। उन्होंने देश में बाढ़ की समस्या को कम करने के लिए उठाए जा रहे दीर्घकालिक उपायों की समीक्षा की और पिछले वर्ष की बैठक में लिए गए निर्णयों पर उठाए गए कदमों पर चर्चा की।उन्होंने बैठक में बाढ़ प्रबंधन के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा अपनाई गई नई तकनीकों और उनके नेटवर्क के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण और जल प्रबंधन के लिए विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों द्वारा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया।उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय, एनडीएमए और नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) को ग्लेशियल झीलों की निगरानी करने और किसी भी प्रकार के विस्फोट की स्थिति में समय पर कदम उठाने की सलाह भी दी।शाह ने कहा कि एनडीएमए को राज्य प्राधिकरणों के साथ बाढ़ की तैयारियों और निवारण के लिए समन्वय करना चाहिए। शाह ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से एनडीएमए द्वारा जारी सुझावों को समय पर लागू करने की अपील की।उन्होंने बाढ़ पूर्वानुमान में सटीकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि बाढ़ निगरानी केंद्रों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना चाहिए। शाह ने नर्मदा नदी के चारों ओर वन क्षेत्र बढ़ाने की बात भी की, जिससे नदी बेसिन को पुनर्जीवित किया जा सकेगा। उन्होंने बिहार और उत्तर प्रदेश में मजबूत बाढ़ प्रबंधन के लिए नई तकनीकों का उपयोग करने का सुझाव दिया।

मुंबई में पत्नी को मार पाक नागरिक ने की आत्महत्या, फ्लैट में खून से लथपथ मिले थे दोनों

ठाणे। नवी मुंबई के खारघर नोड में एक 45 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक ने अपनी 35 वर्षीय पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बाद में उसने स्वयं भी जान दे दी।पुलिस अधिकारी के अनुसार, इस पाकिस्तानी दंपती की पहचान संजय सचदेव और सपना नोतंदास के रूप में हुई है। पुलिस उप आयुक्त प्रशांत मोहिते ने कहा कि सोमवार को दंपती अपने किराए के फ्लैट में खून से लथपथ मिले।मृतक महिला की बहन ने सोमवार को फोन न उठने पर फ्लैट का दौरा किया। यहां पहुंचने पर इस घटना का पता चला। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने सपना नोतंदास को घटनास्थल पर मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके पति ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी, दिल्ली में 45 तो पंजाब-राजस्थान में 47 डिग्री के पार तापमान

नई दिल्ली। देश भर में भीषण गर्मी का दौर जारी है। पंजाब के बठिंडा में मंगलवार को अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक था। राजधानी दिल्ली में भी मौसम का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।वहीं, पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी गर्मी तेवर दिखा रही है। प्रदेश में सबसे गर्म ऊना रहा, जहां मौसम का सबसे गर्म दिन रहा। यहां तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। राजस्थान के गंगानगर में भी तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस रहा।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए बुधवार तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। लोगों को सतर्क रहने

और गर्मी से खुद को बचाने के लिए कदम उठाने की चेतावनी दी गई है। आईएमडी ने कहा कि बुधवार को दिन का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जबकि रात के वक्त भी पारा 29 डिग्री के आसपास रहेगा।पंजाब में मंगलवार को लुधियाना का अधिकतम तापमान 45, चंडीगढ़, अमृतसर, पटियाला, फरीदकोट व गुरदासपुर का 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार 13 जून तक राज्य में लू चलने की आशंका है। इसे लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को पांच जिलों ऊना, मंडी, कांगड़ा, बिलासपुर और कुल्लू में लू चली। शिमला भी सीजन का सबसे गर्म दिन रहा।

दूध की रखवाली के लिए बिल्ली को रखा गया, N के किस फैसले पर भड़के राजनाथ सिंह, पाकिस्तान को सुनाई खरी खरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान को विदेशी फंडिंग रोकने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह आतंकवाद का एक ऐसा पौधा है जिसे बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। राजनाथ सिंह ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा पाकिस्तान को आतंकवाद निरोधी पैनल का उपाध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले पर भी आश्चर्य व्यक्त किया।एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि यह एक विरोधाभास है कि भारत और पाकिस्तान ने एक ही समय में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज भारत को लोकतंत्र की जननी के रूप में मान्यता दी गई है। वहीं, पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद के जनक के तौर पर जाना जा रहा है।राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन के दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा पाकिस्तान को आतंकवाद निरोधी समिति का उपाध्यक्ष नामित करने के फैसले पर हैरानी जताई। राजनाथ सिंह ने कहा कि ये फैसला न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि आतंकवाद के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र की गंभीरता पर भी सवाल उठाता है।राजनाथ सिंह ने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि आतंकवाद निरोधक पैनल का गठन 9/11 के आतंकी हमलों के बाद किया गया था। पाकिस्तान ने 9/11 के हमलों के मास्टरमाइंड को पनाह दी थी। यह (फैसला) बिल्ली के दूध की रखवाली करने जैसा हैराजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की धरती का इस्तेमाल वैश्विक आतंकी संगठनों की शरणस्थली के रूप में किया जाता रहा है। आगे कहा कि हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकी खुलेआम घूमते हैं और पाकिस्तानी सेना

के वरिष्ठ अधिकारी आतंकियों के अंतिम संस्कार में शामिल होते हैं। अब उसी देश से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समुदाय का नेतृत्व करने की उम्मीद की जा रही है।राजनाथ सिंह ने कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की मंशा और नीतियों पर गंभीर सवाल उठते हैं।राजनाथ सिंह ने वैश्विक समुदाय और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों से आतंकवाद जैसे मुद्दों पर अधिक गंभीरता से विचार करने का आह्वान करते हुए कहा कि जब हम आतंकवाद से मुक्त होंगे, तभी हम वैश्विक शांति, प्रगति और समृद्धि के लक्ष्य की ओर बढ़ पाएंगे।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के आम लोगों का भी यही विचार है, लेकिन वहां के शासकों ने देश को विनाश के रास्ते पर डाल दिया है। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में पाकिस्तान को दी गई अपनी पुरानी सलाह को याद किया। अगर वह अपनी धरती पर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने में असमर्थ है तो भारत की मदद ले।रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल सीमा के दोनों ओर आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम हैं, जिसका सबूत पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान खुद देखा था। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को न केवल भारतीय लोगों पर हमला बताया, बल्कि भारत की सामाजिक एकता पर भी हमला बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा, लेकिन हमने उनका धर्म नहीं पूछा, बल्कि उन्हें देखकर जवाब दिया।रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के घेरे को मजबूत किया है। मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर मुद्दे के प्रति दृष्टिकोण और कार्रवाई के तरीके को बदलकर भारत के सुरक्षा तंत्र को बदल दिया है, और दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस बदलाव को देखा है।रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के तममा प्रयासों के बावजूद, वह कश्मीर में विकास को रोकने में सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक जम्मू और कश्मीर में प्रगति के लिए सरकार के अथक प्रयास का एक शानदार उदाहरण है। जल्द ही, पीओके हमारे साथ जुड़ जाएगा और कहेगा मैं भी भारत हूं।इसके अलावा रक्षामंत्री ने आतंकवाद को मानवता के लिए अभिशाप और एक महामारी बताया। उन्होंने कहा कि कोई भी सभ्य समाज इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने ऐसे उदाहरणों का भी हवाला दिया जहां आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में महिमामंडित किया जाता है, और कहा कि आतंकवाद के गर्भ से कोई क्रांति पैदा नहीं होती है, यह केवल विनाश और घृणा को जन्म देता है।

नाश्ते में चुकंदर को शामिल करना चाहते हैं तो इन 5 तरीकों को अपनाएं

चुकंदर एक ऐसी सब्जी है, जो अपने खास स्वाद और रंग के कारण काफी पसंद की जाती है। आमतौर पर इसे सलाद में ही खाया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि चुकंदर को नाश्ते में शामिल करने के कई अच्छे तरीके हैं? यह न केवल आपके नाश्ते को सेहतमंद बनाता है, बल्कि इसे और भी स्वादिष्ट भी बना सकता है।

आइए चुकंदर को नाश्ते में शामिल करने के तरीके जानते हैं।

चुकंदर का परांठा बनाएं

चुकंदर का परांठा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

इसे बनाने के लिए गेहूं के आटे में कदूकस किया हुआ चुकंदर, नमक, लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा-सा अजवाइन मिलाकर गूंथ लें। अब इस मिश्रण से परांठे बनाएं और इन्हें घी या तेल में सेंक लें।

यह न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स आपके शरीर को ताकत देते हैं। इसे दही या अचार के साथ परोसें और इसका आनंद लें।

चुकंदर का उपमा बनाएं

उपमा एक पारंपरिक दक्षिण भारतीय व्यंजन है, जिसे सूजी से बनाया जाता है, लेकिन क्या आपने कभी चुकंदर का उपमा आजमाया है?

इसके लिए सूजी को भून लें और उसमें कदूकस किया हुआ चुकंदर, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें।

अब इसमें पानी डालकर पकने दें। यह नाश्ते के लिए एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है।

इसे नारियल की चटनी के साथ परोसें और इसका आनंद लें।

चुकंदर की चीला बनाएं

चीला एक लोकप्रिय उत्तर भारतीय नाश्ता है, जिसे बेसन से बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए बेसन में कदूकस किया हुआ चुकंदर, बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाकर घोल तैयार करें।

अब इस घोल को तवे पर फैलाकर सेंके। यह न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपके शरीर को ऊर्जा देते हैं।

इसे हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ परोसें और इसका आनंद लें।

चुकंदर का सूप बनाएं

सूप सेहत के लिए अच्छे होते हैं और इन्हें कई प्रकार से बनाया जा सकता है। इसके लिए उबले हुए चुकंदर को मैश करके उसमें पानी डालें और उसे उबाल लें।अब इसमें नमक, काली मिर्च और थोड़ी सी क्रीम मिलाकर इसे परोसें। यह नाश्ते के लिए एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है। इसे गर्मागर्म परोसें और इसका आनंद लें।

यह सूप न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स शरीर को ताकत देते हैं।

चुकंदर का जूस बनाएं

जूस सेहत के लिए अच्छे होते हैं और इन्हें कई प्रकार से बनाया जा सकता है।

इसके लिए ताजे टमाटर, गाजर, खीरा आदि सब्जियों के साथ-साथ उबले हुए चुकंदर को जूसर में डालें और जब जूस निकल जाए तो इसमें नींबू रस मिलाएं और ठंडा करके परोसें।

यह नाश्ते के लिए एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है। इस तरह आप अपने रोजमर्रा के नाश्ते में कुछ नया आजमाकर दिन की शुरुआत ताजगी से कर सकते हैं।

पारुल गुलाटी ने दोनाली के लिए ली बंदूक चलाने की ट्रेनिंग, कहा- स्क्रीन पर दिखना चाहती हूं दमदार

एक्ट्रेस पारुल गुलाटी ने अपने किरदार को असली और दमदार दिखाने के लिए बंदूक चलाने की कड़ी ट्रेनिंग ली। उन्होंने खास तौर पर देसी कट्टा और डबल बैरल रायफल जैसी बंदूकें चलाना सीखा, ताकि उनका किरदार स्क्रीन पर दमदार और प्रभावशाली लगे।

पारुल गुलाटी वेब सीरीज दोनाली में एक डकैत का किरदार निभा रही हैं। अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, डकैत का रोल करना मेरे लिए बहुत मुश्किल लेकिन मजेदार अनुभव रहा। मैं चाहती थी कि जब मैं बंदूक पकड़ूं और चलाऊं, तो वह स्क्रीन पर असली लगे और लोगों को मेरा किरदार सच्चा लगे।

उन्होंने आगे कहा, इस किरदार को निभाने के लिए सिर्फ एक्शन ही जरूरी नहीं होता, बल्कि उसमें सही रवैया, चाल-ढाल और असलीपन दिखाना भी जरूरी होता था। देसी कट्टा और डबल बैरल रायफल चलाना सीखने से मुझे अपने किरदार को एक नया नजरिया मिला और मैं इसे पूरी तरह से बेहतरीन करना चाहती थी।

पारुल सीरीज दोनाली में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह अभिनेता दिव्येंदु और बरुण सोबती के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

सीरीज का निर्देशन ई निवास ने किया है। इसमें चंकी पांडे, यशपाल शर्मा और अन्य कलाकार भी अहम किरदार में हैं। इसकी कहानी 1960 के दशक में चंबल के बीहड़ इलाके की सच्ची घटनाओं पर आधारित है। इसकी शूटिंग मध्य प्रदेश में की गई है।

पारुल गुलाटी एक उद्यमी और मॉडल भी हैं। उन्होंने कई टीवी शो और पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

वह अपनी हेयर एक्सटेंशन्स ब्रांड निश हेयर की सीईओ और फाउंडर हैं। उन्होंने टीवी सीरियल ये प्यार ना होगा कम से अपने अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने बिट्टन का रोल निभाया था, जो बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम द्वारा निभाए गए किरदार लहर की छोटी बहन थी।

पिछले महीने, पारुल गुलाटी ने 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहली बार हिस्सा लिया। यहां उन्होंने निर्देशक एरी एस्टर की फिल्म एडिंगटन के वर्ल्ड प्रीमियर में भाग लिया था।

गोल्डन स्कर्ट और ब्लू जैकेट में भोजपुरी स्टार आकांक्षा पुरी ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान, फैंस ने बांधें तारीफों के पुल

भोजपुरी और टीवी एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी अपने स्टाइलिश और बोल्ड अंदाज़ के लिए जानी जाती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह गोल्डन प्लिटेड स्कर्ट और ब्लू एंब्रॉयडरी जैकेट में कहर ढाती नज़र आ रही हैं. उनका यह लुक न सिर्फ ट्रेंडी है बल्कि फैशन आइकन की तरह आत्मविश्वास से भरा हुआ भी है. पोस्ट के साथ आकांक्षा ने लिखा ङ्क सुर्खियाँ बटोरना और फैंस भी यही मान रहे हैं कि उन्होंने सच में पूरी लाइमलाइट चुरा ली है. आकांक्षा के इस आउटफिट को डिज़ाइनर आशना वासवानी ने डिज़ाइन किया है और उन्होंने खुद इस लुक पर कमेंट करते हुए लिखा, हे भगवान, हमें आप पर हमारे कलेक्शन देवी ड्रेप का लुक बेहद पसंद आया। कमाल है लड़की!

तस्वीरों में आकांक्षा ने ब्रॉन्ज़ मेकअप, स्टेटमेंट ज्वेलरी और स्ट्रेट हेयरस्टाइल के साथ अपना ग्लैमरस लुक कंप्लीट किया है. उन्होंने इस पोस्ट में बताया कि इस लुक का मेकअप उन्होंने खुद किया है. उनका कॉन्फिडेंस और कूल एटीट्यूड इस तस्वीर को और भी पावरफुल बना देता है. फैंस भी इस लुक को लेकर खूब तारीफें कर रहे हैं. किसी ने उन्हें रानी कहा तो किसी ने बॉसबेब. कुछ ही घंटों में इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं.

आकांक्षा पुरी की ये तस्वीरें यह साबित करती हैं कि वह सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि एक ट्रेंडसेटर भी हैं. उनके हर लुक में एक अलग ही शाइन होती है जो उन्हें बाकी से अलग बनाती है. सोशल मीडिया पर उनका ये अंदाज़ फिलहाल टॉप ट्रेंड में बना हुआ है.

चलने का सही तरीका दे सकता है कई स्वास्थ्य लाभ, अध्ययन में आया सामने

डॉक्टर्स और फिटनेस विशेषज्ञ रोजाना कुछ मिनट चलने की सलाह देते हैं और इसके लिए लोग तरह-तरह की वॉकिंग एक्सरसाइज को अपनाते हैं, फिर चाहे वो ब्रिस्क वॉक हो या रेट्रो वॉकिंग।

हाल ही में सामने आए अध्ययन से पता चला है कि अगर आपके चलने का तरीका सही है तो उससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

आइए इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

4,50,000 से अधिक वयस्कों पर किया गया अध्ययन

शोधकर्ताओं ने बताया कि रोजाना 14 मिनट की सैर को सात मिनट की तेज चाल में बदलने से हृदय रोग का खतरा 14 प्रतिशत तक कम पाया गया।

ब्रिटेन में 4,50,000 से अधिक वयस्कों के विश्लेषण में जैविक आयु के आनुवंशिक मार्क का इस्तेमाल करके यह पता चला कि मध्यम आयु तक, जीवनभर तेज चलने से बढ़ती उम्र का प्रभाव कम हो जाता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि तेज चलने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिल सकते हैं।

तेज गति में चलने से मिल सकते हैं कई लाभ

अध्ययन में बताया गया है कि तेज गति में चलना रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसे हृदय रोग के जोखिम कम करने में भी साबित हुआ है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि तेज गति में चलने से शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा कई अन्य लाभ भी मिल सकते हैं।

यह मस्तिष्क की गतिविधि में मदद कर सकता है और रचनात्मक विचारों के उत्पादन को बढ़ा सकता है। साथ ही भरपूर ऊर्जा भी प्रदान कर सकता है।

शारीरिक निष्क्रियता बन सकती है कई गंभीर बीमारियों का कारण

शोधकर्ताओं ने कहा, शारीरिक निष्क्रियता मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे जैसी दीर्घकालिक बीमारियों का मुख्य कारण है, जो विकसित और विकासशील देशों में समान रूप से देखी जाती है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर शारीरिक सक्रियता पर ध्यान दिया जाए तो प्रतिवर्ष लगभग 39 लाख असामयिक मौतों को रोका जा सकता है। हालांकि, लोग शारीरिक सक्रियता की बजाय चिकित्सा प्रणाली पर काफी हद तक निर्भर हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों को बढ़ाना है जरूरी- शोधकर्ता

शोधकर्ताओं का कहना है कि लोग बीमार पड़ते हैं और फिर बीमारी के इलाज के लिए करोड़ों रुप से ज्यादा का खर्च आता है, जो स्वास्थ्य क्षेत्रों के लिए एक बड़ा मुनाफा है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर इन लागतों का केवल एक अंश सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में लगाया जाए, जिसका उद्देश्य सभी के लिए पैदल चलना और शारीरिक गतिविधि के अवसर बढ़ाना हो तो काफी पैसा बच सकता है और शरीर भी स्वस्थ रहेगा।

शब्द सामर्थ्य - 076

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

1		■	2	3	■	4	5	6
	■	7			■	■	8	
9			■	10		11	■	
■	■	12			■	13	14	
15	16		■	■	■	17		■
18		■	19	20			■	21
■	22	23			■	■	■	
■	■		■	■	24	■	25	
26			■	27				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 075 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

बिना मेहनत के आसानी से निकल जाएगी नारियल की गिरी, बस फॉलो करें ये ट्रिक्स

कच्चे नारियल के छिलके को हटाने से लेकर उसका शेल और उससे गिरी को अलग करना मुश्किल होता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने से आप बिना चाकू और मेहनत के नारियल से गिरी निकाल सकती हैं।

नारियल की मीठी गिरी और उसका पानी बहुत स्वादिष्ट लगता है। वहीं नारियल की गिरी का इस्तेमाल हम बहुत सी डिशेज को बनाने में करते हैं। वहीं पूजा-पाठ में भी नारियल और इसके शैल का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं नारियल के खोल से लेकर इसकी गिरी सभी चीज जरूरत की होती है। बता दें कि नारियल की गिरी ठंडी होती है। वहीं गर्मियों में भी इसका सेवन करना फायदेमंद होता है। नारियल खाने में बहुत टेस्टी लगता है, लेकिन जब नारियल से गिरी निकालने की बात होती है, तो यह बहुत मेहनत का काम लगता है।

कच्चे नारियल के छिलके को हटाने से लेकर उसका शेल और उससे गिरी को अलग करना मुश्किल होता है। जिसके कारण कई बार हम मार्केट से छिला हुआ नारियल ले आते हैं। जिससे कि छीलने के झंझट से बचा जा सके। क्योंकि नारियल का खोल काफी सख्त होता है। ऐसे में इसकी गिरी को निकालने के लिए भारी और नुकीली चीजों की मदद लेना पड़ता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने से आप बिना चाकू और मेहनत के नारियल से गिरी निकाल सकती हैं।

नारियल की गिरी को खोल से ऐसे करें अलग

सबसे पहले फ्रीजर में साबुत नारियल को करीब 15 मिनट के लिए रखें।

अब फ्रीजर से नारियल को बाहर निकाल लें।

फिर नारियल को दो भागों में तोड़ लें।

अब किसी नुकीली चीज की मदद से नारियल के किनारे पर गोल पूरा घुमा दें।

इसके बाद नारियल को धीरे-धीरे जमीन पर पटकें। इससे नारियल की पूरी गिरी बाहर आसानी से निकल जाएगी।

दूसरा तरीका

एक बर्तन में पानी को अच्छे से खूब गर्म करना है।

फिर एक साबुत नारियल को गर्म पानी में डालकर करीब 10 मिनट के लिए छोड़ दें।

अब आप हैमर की सहायता से नारियल को तोड़ें।

फिर किसी नुकीले स्टील के गिलास की मदद से गिरी निकालें।

इस तरीके से गिरी आसानी से निकल जाएगी।

अन्य टिप्स

सबसे पहले नारियल को दो भाग में तोड़कर एक भाग को कपड़े में उल्टा करके किसी भारी चीज से मारें। इससे गिरी बाहर निकल आएगी।

वहीं आप नारियल के खोल को बर्फ के ठंडे पानी में भी कुछ देर के लिए रख सकती हैं।

नारियल की गिरी को आसानी से निकालने के लिए इसके ऊपरी किनारों पर किसी भारी चीज से मारें। इस तरह से गिरी चाकू की मदद से बाहर निकल आएगी।

पारंपरिक आउटफिट, भारी-भरकम गहने..अप्सरा सी सजीं जैक्लीन फर्नांडिस, शीशे में देख खुद को संवारती दिखीं हसीना

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिज इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चा में हैं।

झोलाछाप डॉक्टरों पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

बैकुंठपुर एवं सोनहत ब्लॉक में दो अवैध क्लीनिक सील, एक पर कारण बताओ नोटिस जारी

कोरिया बैकुंठपुर । छत्तीसगढ़ राज्य नर्सिंग होम एक्ट 2013 के तहत अवैध रूप से चिकित्सा कर रहे झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल शुक्ला (अंबिकापुर, सरगुजा) के निर्देश पर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में 9 व 10 जून 2025 को की गई।

आज बैकुंठपुर ब्लॉक के चरचा कॉलरी क्षेत्र में जिला स्तरीय जांच दल द्वारा दो क्लीनिकों की जांच की गई। उड़िया दफाई, राम मंदिर के पास सुधीर कुमार मिश्रा द्वारा संचालित क्लीनिक में बिना किसी वैध डिग्री के चिकित्सकीय गतिविधियाँ संचालित की जा रही थीं। मौके पर नीडल, दवाइयाँ और इंजेक्शन आदि सामग्री पाई गई, परंतु किसी भी तरह का वैध पंजीयन या डिग्री उपलब्ध नहीं कराई गई। इस आधार पर श्री मिश्रा का क्लीनिक तत्काल सील कर दिया गया।इसी प्रकार टीना दफाई में 'डॉ. आर. खान' के नाम से संचालित घरेलू क्लीनिक की भी जांच की गई। मौके पर आईवी स्टैंड, बेड और चिकित्सा उपकरण पाए गए, परन्तु कोई मान्य डिग्री प्रस्तुत नहीं की गई। नर्सिंग होम एक्ट 2013 के प्रावधानों के तहत इस कक्ष को भी सील करने की कार्रवाई की गई।इससे पूर्व, 9 जून को सोनहत ब्लॉक के तेलीमुड़ा ग्राम में महेन्द्र पटेल नामक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से इलाज किए जाने की जानकारी पर जांच की गई थी। मौके पर चिकित्सकीय उपकरण मिलने के बावजूद कोई पंजीयन प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। फलस्वरूप उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने की अनुशंसा की गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे केवल पंजीकृत एवं योग्य चिकित्सकों से ही उपचार कराएं। किसी भी अवैध रूप से चिकित्सा कर रहे व्यक्ति की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित स्वास्थ्य केंद्र या सीएमएचओ कार्यालय को सूचित करें। जांच दल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक असरफ अंसारी, औषधि निरीक्षक आलोक मिंज, प्रभारी डिप्टी एमआईईओ श्रीमती सरोजनी राय सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अगले 4-5 महीने में शुरू हो जाएगा जिला अस्पताल का नया ट्रामा यूनिट

धमतरी। धमतरीवासियों को जल्द ही जिला अस्पताल के नये ट्रामा यूनिट में इलाज की सुविधा मिलना शुरू हो जाएगा। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज इस यूनिट के निर्माण कार्या का औचक निरीक्षण किया और काम तेज करते हुए अक्टूबर महीने तक इसे पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। इस ट्रामा यूनिट में इलाज की सुविधा के साथ-साथ खून, पेशाब सहित अन्य जांचों के लिए लैब भी होगी। इसके साथ ही इसमें ब्लड यूनिट, कॉर्डियोवस्कुलर यूनिट और बर्न यूनिट की भी सुविधा मरीजों को मिलेगी। कलेक्टर ने आज दोपहर अचानक जिला अस्पताल पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के वार्डों का निरीक्षण किया और इलाज के लिए भर्ती मरीजों का हालचाल पूछा। श्री मिश्रा ने अस्पताल में किए जा रहे इलाज, मरीजों को दिए जाने वाले भोजन और दी जा रही दवाओं आदि की जानकारी भी मरीजों से ली। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यू.एल.कौशिक, डीपीएम डॉ. प्रिया कंवर सहित सिविल सर्जन डॉ अरूण टोण्डर .भी मौजूद रहे। अपने आकस्मिक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मरीजों से अस्पताल में होने वाली जांचों के लिए कर्मचारियों द्वारा अतिरिक्त पैसों की मांग किए जाने की भी जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित सीएमएचओ और डीपीएम को सख्त निर्देश दिए कि मरीजों से इस तरह की मांग करने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। मरीजों से ऐसी नियम विरूद्ध और अनुचित मांग करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने इसके साथ ही अस्पताल में डॉक्टरो और कर्मचारियों के व्यवहार के बारे में भी मरीजों से फीडबैक लिया। उन्होंने डॉक्टरों या किसी भी कर्मचारी के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित होने से मरीजों के इलाज में लापरवाही होने पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी सीएमएचओ को दिए। कलेक्टर ने अस्पताल में दवा वितरण केन्द का भी निरीक्षण किया और दवा वितरण प्रभारी को अपने भण्डार गृह सें एक्सपायरी दवाएं नहीं रखने तथा किसी भी परिस्थिति में उनका मरीजों को वितरण नहीं करने के निर्देश भी दिए।

शासन से की गई स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की मांग

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बताया कि धमतरी जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को देखते हुए राज्य शासन को प्रस्ताव भेजे गए हैं। धमतरी जिला अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ, पैथोलॉजिस्ट, हड्डी रोग विशेषज्ञ जैसे डॉक्टरों की मांग की गई है। जल्द ही शासन से यह मांग पूरी होने की उम्मीद है। कलेक्टर ने बताया कि राज्य शासन से स्वीकृति प्राप्त होते ही धमतरी जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि जिला अस्पताल के पुनरूद्धार के लिए भी प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इस प्रस्ताव में जिला अस्पताल में एक सौ बिस्तर नये खण्ड का विस्तार होगा। एक सौ बिस्तर के नये मदर-चाईल्ड अस्पताल और 40 बिस्तर का नेत्ररोग अस्पताल भी इस प्रस्ताव में शामिल किया गया है।

डिप्लोमा इंजीनियरिंग प्रवेश : प्रथम चरण का ऑनलाईन पंजीयन आज से 15 जून तक

धमतरी । डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए पहले चरण की ऑनलाईन पंजीयन 11 से 15 जून तक होगा। भोपालराव पवार शासकीय पॉलीटेक्निक धमतरी के प्राचार्य श्री जी.आर.साहू ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी पर जाकर ऑनलाईन पंजीयन कर सकते हैं। उन्होंने प्रवेश की पात्रता के संबंध में बताया कि प्रथम सेमेस्टर के लिए पीपीटी के माध्यम से प्रवेश होगा। इसके लिए गणित व विज्ञान विषयों के साथ दसवीं पास अथवा मान्यता प्राप्त बोर्ड 102 पास होना होगा। लेटरल एंट्री द्वितीय वर्ष के लिए गणित, भौतिकी, रसायन में बारहवीं कक्षा या दसवीं और किसी मान्यता प्राप्त संस्था से दो साल का आईटीआई होना होगा। प्रथम सेमेस्टर में पीपीटी मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश की पात्रता होगी। वहीं लेटरल एंट्री बारहवीं या आईटीआई के अंकों के आधार पर मेरिट सूची और ऑनलाईन काउंसिलिंग द्वारा होगी। इसके लिए पंजीयन शुल्क 200 रूपये ऑनलाईन भुगतान करना अनिवार्य है। आवेदन के समय दसवीं, बारहवीं, आईटीआई, निवास, जाति प्रमाण पत्र स्केन कॉपी साथ में अपलोड करना होगा। इसके अलावा यदि दिव्यांग हों तो दिव्यांगता प्रमाण पत्र, स्वतंत्रता सेनानी अथवा पूर्व सैनिक प्रमाण पत्र लगा सकते हैं। प्राचार्य ने यह भी बताया कि यदि मूल अंकसूचियां प्राप्त नहीं हुई हैं, तो इंटरनेट से डाउनलोड की गई प्रति भी मान्य होगी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के लिए आवेदन के संबंध में सहायता केन्द्र भोपाल राव पवार शासकीय पॉलीटेक्निक धमतरी में बनाया गया है। इस निशुल्क हेल्पडेस्क में विशेषज्ञों द्वारा आवेदन की प्रक्रिया में मार्गदर्शन के साथ ही पंजीयन भी किया जाएगा।गौरतलब है कि भोपालराव पवार शासकीय पॉलीटेक्निक धमतरी में पीपीटी के लिए सिविल इंजीनियरिंग में 40 सीटें, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिक इंजीनियरिंग और कम्प्यूटर साईंस इंजीनियरिंग में 60-60 सीटें तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन में 30 सीटें उपलब्ध हैं। इसी तरह शासकीय पॉलीटेक्निक कुरूद में सीमेंट टेक्नॉलॉजी, बायोमेडिकल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन और कम्प्यूटर साईंस इंजीनियरिंग में 60-60 सीटें हैं। इसके साथ ही लेटरल एंट्री द्वितीय वर्ष के तहत सिविल इंजीनियरिंग में 11 सीटें, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 37, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और कम्प्यूटर साईंस इंजीनियरिंग में 54-54 सीटें तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन में 33 सीटें उपलब्ध हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए भोपाल राव पवार पॉलीटेक्निक धमतरी में सम्पर्क किया जा सकता है।

एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने के लिए 12 को यहां लगेंगे शिविर

रायगढ़ । जिला परिवहन द्वारा एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने हेतु 12 जून 2025 से आगामी दिनांक तक प्रातः 10 बजे से जिले के सभी जनपद में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए मोबाइल नंबर भी जारी किए गए है। वाहन चालक उक्त मोबाइल नंबर संपर्क कर सकते है। इसी कड़ी में रायगढ़ जनपद में शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए मोबा.नं.92021-73820 में संपर्क कर सकते है। इसी तरह खरसिया जनपद में मोबा.नं. 79870-06730, 98274-80926, पुसौर जनपद में मोबा.नं.99382-16164, तमनार जनपद मोबा.नं. 9302740057, धरमजयगढ़ जनपद में मोबा.नं.8839227177 तथा लैलूंगा जनपद में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

धरती आबा अभियान की तैयारियों में तेजी किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

राशन भंडारण, स्कूलों की मरम्मत, जनदर्शन आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर । कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में आगामी 15 जून से आरंभ होने वाले धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई।कलेक्टर ने बताया कि यह अभियान जनजातीय क्षेत्रों के लिए समर्पित एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत क्लस्टरवार शिविर लगाए जाएंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि सभी विभाग इन शिविरों की तैयारी समय पर पूर्ण करें ताकि लाभार्थियों को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके।

कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारी को सभी राशन दुकानों में चावल एवं अन्य खाद्य सामग्री का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने के दौरान सड़क खुदाई की मरम्मत जल्द से जल्द कराए जाने के निर्देश भी दिए हैं, वहीं शिक्षा विभाग को स्कूल खुलने से पहले साफ-सफाई व मरम्मत कार्य पूरे करने को कहा गया ताकि विद्यार्थियों को असुविधा न हो। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी दी

कि युक्तियुक्तकरण के तहत 90 प्रतिशत शिक्षकों ने अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर पदभार ग्रहण कर लिया है।कलेक्टर ने वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों से इस वर्ष भी बड़े स्तर पर वृक्षारोपण करने की तैयारी शुरू करने को कहा।

कलेक्टर ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि धान विक्रय के समय किसानों को किसी प्रकार की तकनीकी या अन्य समस्या न उत्पन्न हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों को इसके लिए जागरूक भी किया जाए।जनदर्शन व अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के लिए भी कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदक को समय पर समाधान मिलना चाहिए। सभी तहसीलदारों से कहा है कि बटांकन, सीमांकन व अन्य राजस्व सम्बन्धी प्रकरणो का निराकरण भी तेजी से करें।आज आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लगभग 56 नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं, जिन्हें अपर कलेक्टर अरुण मरकाम ने गंभीरता से सुना और समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में बैकुण्ठपुर एसडीएम श्रीमती दीपिका नेताम, सोनहत एसडीएम राकेश साहू सहित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

मोदी सरकार के नेतृत्व में देश विकास की ओर अग्रसर : जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

कोरिया बैकुण्ठपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 11 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए 9 जून से 21 जून तक देशव्यापी अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान विकसित भारत का अमृत काल एवं सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 साल पर आधारित रहेंगा।संकल्प से सिद्धि देश व्यापी कार्यक्रम को लेकर भाजपा पदाधिरियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक मंडल स्तर पर प्रारंभ किया गया। इसी कड़ी में भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने पटना मंडल की बैठक में शामिल हुए। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के गौरवपूर्ण 11 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्राम, वार्ड, शक्ति केन्द्र एवं बूथ स्तर पर चौपाल के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत का तकदीर और तस्वीर बदल रहा है, देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता, मंडल रामलखन यादव, नगर पंचायत गायत्री सिंह, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, महामंत्री सचिदानंद द्विवेदी, सत्यम साहू, योगेन्द्र मिश्रा, अहिबरन सिंह, मीरा सोनी, राजेन्द्र सोनी, प्रेमनारायण तर्कीहार, रूपचंद गुप्ता, राजेश सोनी, विष्णु साहू, अनिल जायसावल, ममता कुशवाहा,चन्द्रकली राजवाड़े, ललिता यादव सहित पार्टी कार्यकर्तागण उपस्थित थे। संकल्प से सिद्धि के संकल्प को मजबूत करने का संदेश पहुंचाने रणनीति तय,सलका - भारतीय जनता पार्टी सलका मंडल के ग्राम सारा में- संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन उत्सवपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के मंडल प्रभारी एवं नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह एवं मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पार्षद रेखा वर्मा, जिला उपाध्यक्ष जगदीश सिंह , मंडल उपाध्यक्ष शिव प्रसाद राजवाड़े , पूर्व महामंत्री राम सुंदर राजवाड़े , मंडल महामंत्री राम संकर सिंह , मंडल मंत्री हंस लाल कुर्रे , उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार राजवाड़े, रामनारायण सोनवानी , कृष्ण कुमार, मनीषा देवांगन, अशोक साहू, पंकज साहू, केवला, रामनाथ राजवाड़े सहित पार्टी कार्यकर्तागण उपस्थित थे। इस आयोजन के माध्यम से संगठन की नीतियों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने, सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण की भावना को जागृत करने, तथा प्रधानमंत्री के संकल्प से सिद्धि के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया गया।संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत सोनहत मंडल की बैठक संपन्न,सोनहत- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने पर संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत सोनहत मंडल की बैठक राजवाड़े समाज भवन मे संपन्न हुआ। बैठक मोदी सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के पहुंचाने के लिए रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, युवा नेता शारदा गुप्ता, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष ईश्वर राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े, मंडल महामंत्री मनोज साहू, सुरेश राजवाड़े, वरिष्ठ नेता सुभाष जायसवाल, कोषाध्यक्ष दीपक जायसवाल, जनपद सदस्य आलेश्वरी गौतम, राज कुमारी राजवाड़े, युवा मोर्चा जिला मंत्री रमेश तिवारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम मे देवेन्द्र सिंह, सुचित्रा पाल, विक्की सारथी, भीम राजवाड़े, लक्ष्मी राजवाड़े, राकेश राजवाड़े, सुशीला राजवाड़े, अनिल जायसवाल, मैन प्रताप सिंह, धनेश्वर सिंह, मुकेश राजवाड़े, भजन राजवाड़े, राज कुमार राजवाड़े, अनुज राजवाड़े, अरविन्द राजवाड़े, राम कुशल राजवाड़े, नन्दलाल, भानू पैकरा, सोनू प्रजापति, कृष्णा साहू, संजय मानिकपुरी, बालकृष्ण देवांगन, मोनी नाविक, उदेश्वर, वीरेन्द्र, अनिल गौतम सहित भारी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

आमदी में जल्द शुरू होगा डिग्री कॉलेज, नया भवन बनकर तैयार

धमतरी। आमदी सहित धमतरी शहर के विद्यार्थियों को जल्द ही पढ़ने-लिखने के लिए नये डिग्री कॉलेज की सौगात मिल जाएगी। आमदी में डिग्री कॉलेज के नये भवन का निर्माण लगभग पूरा हो गया है। आज कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने इस भवन का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने इस दौरान मौजूद लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियता श्री नेताम को कॉलेज का फिनिशिंग काम जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। श्री मिश्रा ने कॉलेज निर्माण में मितव्ययता बरतते हुए निविदा दर से लगभग 70 लाख रूपये कम लागत में काम पूरा कराने पर श्री नेताम की तारीफ भी की। निरीक्षण के दौरान श्री मिश्रा ने कॉलेज के भीतर घूमकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता को भी देखा। उन्होंने कॉलेज के क्लासरूम में बिजली, पंखे आदि की क्वालिटी भी देखी। श्री मिश्रा ने कॉलेज के कॉरीडोर मे एक वर्गफीट और क्लासरूम्स में बड़ी दो वर्गफीट की टाईल्स लगाने का औचित्य पूछा। श्री नेताम ने बताया कि कॉरीडोर में लगातार आवाजाही और बारिश पानी के कारण बड़ी टाईल्स जल्द खराब हो जाती है। इसके साथ ही बड़ी टाईल्स के चिकने होने के कारण फिसलकर गिरने का भी डर बना रहता है। इसीलिए कॉरीडोर में छोटी रफ सर्फेस वाली टिकाउ और मजबूत टाईल्स लगाई गई हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कॉलेज के फिनिशिंग काम को तेजी से कराकर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कॉलेज परिसर से लगे मिनी स्टेडियम के पवेलियन और बाउंड्रीवॉल को भी रंगाई-पोताई कराने को कहा। उल्लेखनीय है कि आमदी में डिग्री कॉलेज के भवन के लिए चार करोड़ 52 लाख रूपये की स्वीकृति मिली थी। परन्तु टेण्डर आदि के बाद इसे केवल तीन करोड़ 79 लाख रूपये में पूरा करा लिया गया है। इस कॉलेज भवन में छः बड़े क्लास रूम बनाए गए हैं। विद्यार्थियों को प्रेक्टिकल के लिए चार प्रयोगशालाएं और दो अतिरिक्त कक्ष भी बनाए गए हैं। कॉलेज परिसर में ही एक तरफ गार्डन और दूसरी तरफ किसी छोटे कार्यक्रम के लिए असेम्बली स्थल भी बनाया गया है।

पूरक पोषण आहार अंतर्गत मंगाए गए आवेदनों में पात्र-अपात्र सूची जारी

स्व-सहायता समूह 16 जून तक कर सकते हैं दावा-आपत्ति

रायगढ़। सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत पूरक पोषण आहार व्यवस्था अंतर्गत रेडी टू ईट फोर्टिफाईड आटा का परियोजना स्तर पर स्थापित यूनिट के माध्यम से निर्माण एवं आपूर्ति हेतु बाल विकास परियोजना पुसौर जिला-रायगढ़ अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूह का चयन किए जाने अभिरूचि का प्रस्ताव जारी कर आवेदन मंगाए गए थे। जिसमें निर्धारित तिथि व समय तक प्राप्त आवेदनों से पात्र व अपात्र एवं अंकों का विवरण सूची का प्रकाशन किया जा रहा है। उक्त सूची अनुसार महिला स्व-सहायता समूह अपना दावा-आपत्ति आवेदन/अभ्यावेदन 16 जून 2025 तक कार्यालयीन समय में सायं 5.30 बजे तक जिला स्तरीय चयन समिति को कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास रायगढ़ में रजिस्टर्ड डाक/कोरियर के माध्यम से अथवा कार्यालय में सीधे प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि एवं समय के उपरांत प्राप्त होने वाले अभ्यावेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। दावा-आपत्ति हेतु पात्र/अपात्र एवं अंकों का विवरण सूची कार्यालय के सूचना पटल व रायगढ़ जिले के वेबसाईट में अवलोकन कर सकते है।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर 23 तक मंगाए गए आवेदन

रायगढ। एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ ग्रामीण अंतर्गत सेक्टर किरोड़ीमल नगर अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र कछार क्रमांक 1 ग्राम पंचायत कछार में रिक्त सहायिका के 01 पद की पूर्ति हेतु 23 जून 2025 तक आवेदन मंगाए गए है। आंगनबाड़ी सहायिका की नियुक्ति से संबंधित निर्देश व नियम शर्तो के संबंध में परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर अवलोकन किया जा सकता है।

राज्य खेल अलंकरण पुरस्कार के लिए 26 तक मंगाए गए आवेदन

रायगढ़। छत्तीसगढ़ शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों को खेल पुरस्कार प्रदान कर राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार राज्य के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों को प्रदान किये जाते हैं। जिला कार्यालय रायगढ़/संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण रायपुर में राज्य खेल संघो से अनुसंशा सहित आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 26 जून 2025 कार्यालयीन समय तक निर्धारित की गई हैं, खिलाड़ी को एक से अधिक अलंकरण/सम्मान हेतु पृथक-पृथक आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्रों का प्रारूप मय विस्तृत सूचना/जानकारी खेल विभाग की वेबसाईट द्धह्लह्लश्चह्य://ह्यश्चशह्लह्य42.ष्द्द.द्दश1.द्बठ्ठ पर उपलब्ध है। वर्ष 2023-24 में (01 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक) एवं वर्ष 2024-25 में (01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक) जिन खिलाड़ियों ने सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया है, वे खिलाड़ी जिला कार्यालय एवं अपने खेल संघो आवेदन फार्म प्राप्त कर निर्धारित अंतिम तिथि 26 जून 2025 तक संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण छ.ग. रायपुर या कार्यालय सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण जिला-रायगढ़, रायगढ़ स्टेडियम बोईरदादर में कार्यालयीन समय में अपना आवेदन निर्धारित दस्तावेज सहित जमा कर सकते है। इसी प्रकार उक्त वर्षो में खेल वृत्ति (डाईट मनी) के लिये जिन खिलाड़ियों ने अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया हो या राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया हो, खेलवृत्ति हेतु आवेदन कर सकेंगें। खेलवृत्ति की अधिकतम आयु 19 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। खेल संघो से प्रोत्साहन के लिए उनके द्वारा वर्ष 2023-24 में (01 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक) एवं वर्ष 2024-25 में (01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक) अर्जित की गई उपलब्धि के लिए प्रेरणा निधि के आवेदन जिला कार्यालय में निर्धारित तिथि तक जमा कर सकेंगें। प्रभारी सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग, रायगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य खेल अलंकरण के अंतर्गत सीनियर वर्ग के ऐसे खिलाड़ियों को शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है, जिनके द्वारा राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में या राष्ट्रीय खेलों में कोई पदक प्राप्त किया गया हो या अधिकृत अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया गया हो। इसी प्रकार जूनियर वर्ग के उन खिलाड़ियों को शहीद कौशल यादव पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है, जिनके द्वारा जूनियर वर्ग के राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में कोई पदक प्राप्त किया गया हो। ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने विगत 5 वर्षो में चार बार सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ की ओर से प्रतिनिधित्व करने वाले महिला, पुरूष खिलाड़ियों को शहीद पंकज विक्रम सम्मान से सम्मानित किया जाता है। प्रशिक्षकों/निर्णायकों को वीर हनुमान सिंह पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है। खेल से जुड़े 55 वर्ष या अधिक उम्र के अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लिया हो या राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया हो या संबंधित ने ऐसी कोई उल्लेखनीय सेवा खेल के क्षेत्र में किए हो, जिसके आधार पर उन्हें सम्मानित किये जाने हेतु विचार किया जाए, उन्हें शहीद विनोद चौबे सम्मान से अलंकृत किया जाता है। इसी प्रकार सीनियर व जूनियर वर्ग में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त दल को मुख्यमंत्री ट्रॉफी प्रदान की जाती है। पुरस्कार के नियम छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित किये गये हैं, नियमों के अंतर्गत पात्रता रखने वाले आवेदकों को पुरस्कार के लिए प्रावीण्यता के आधार पर चयन किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त विजेताओं को प्रोत्साहन नियम के तहत नगद राशि पुरस्कार अलंकरण प्रदान किया जाता है।

कैंसर के सामान्य लक्षणों के बारे में सीएमएचओ ने दी जानकारी

लक्षण दिखाई देने पर निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में कराए शीघ्र जांच

रायगढ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अनिल कुमार जगत ने कैंसर के सामान्य लक्षणों के बारें में जानकारी देते हुए बताया कि बिना किसी कारण वजन कम होना तथा कमजोरी आना, भूख कम लगना अथवा खाना निगलने में कठिनाई होना, मुंह के जख्मों का ना भरना, स्तन व गर्दन में दर्द रहित गांठ बन जाना, योनि से अधिक रिसाव या रक्तस्त्राव होना, (मासिक धर्म के अतिरिक्त या बंद होने के बाद), शौच एवं पेशाब की आदतों में परिवर्तन होना। कैंसर महिलाओं में होने वाली सबसे गंभीर समस्या सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा के स्तर में असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि होना। गर्भाशय ग्रीवा महिला प्रजनन प्रणाली का हिस्सा है और गर्भ के निचले हिस्से में स्थित है। जो गर्भ से योनि तक खुलती है। इस कैंसर को बच्चेदानी के कैंसर के नाम से भी जाना जाता है। जो ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होते है। सर्वाइकल कैंसर के सबसे आम लक्षण और शुरूवाती संकेत है जैसे पीरियड्स के बीच ब्लीडिंग, मेनोपॉज के बाद खून बहना, तेज गंध के साथ योनि से स्त्राव, रक्त के साथ योनि से स्त्राव, यूरिन करते समय दर्द महसूस होना। तो इसके लिये बेहद जरूरी है कि नियमित रूप से पैपस्पीयर जांच कराएं और इसकी मदद से आप गर्भाशय ग्रीवा में होने वाली असामान्यताओं का पता लगा पाएंगे। धूम्रपान करने से बचे, इससे बीमारी का खतरा और भी बढ़ जाता है। एचपीवी के कई प्रकार है जिनमें से कुछ उच्च जोखिम वाले प्रकार पाये जाते है जिसमें सर्वाइकल कैंसर बनने से पहले सर्वाइकल घावों का कारण बनते है। सीएमएचओ डॉ. ने जगत लोगों से अपील की है कि इस प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com

प्राइमरी व मिडिल बोर्ड के छात्रों को जल्द मिलेंगी अंक सूची

काम के दौरान प्लंबर की मौत

कोरबा। बुधवारी क्षेत्र निवासी शुभम साहू 19 वर्ष की काम के दौरान मौत हो गई। असुरक्षित रूप से बिजली के तार मौके पर फैले मिले। उसके भाई सूरज साहू ने इस मामले में होटल संचालक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस को लिखित सूचना देकर सूरज ने बताया कि डीडीएम रोड स्थित एक होटल में काम करने के लिए शुभम को 10 जून की सुबह बुलाया गया था। उपरी मंजिल पर वह काम कर रहा था। कुछ घंटे बाद कोतवाली थाने से उसके पास फोन आया कि शुभम की मौत हो गई है। सूरज के मुताबिक जब वह अपने सहयोगियों के साथ घटना स्थल पहुंचा तो उसे डेथ बॉडी नहीं दिखाई गई। सूरज का आरोप है कि असुरक्षित रूप से मौके पर काम कराया गया। उसे सुरक्षा उपकरण भी नहीं दिए गए। इस स्थिति में यह घटना हुई है। सूरज ने कोतवाली थाना प्रभारी को पत्र देकर कहा है कि होटल संचालक के विरूद्ध इस मामले में कार्रवाई की जाए। पत्र की प्रतिलिपि अन्य अधिकारियों को भी दी गई है।

कोरबा। प्राइमरी और मिडिल बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की अंक सूची उपलब्ध कराने का काम अगले दोनों में किया जाना है। परीक्षाओं के परिणाम बहुत पहले घोषित कर दिए गए थे लेकिन अंक सूची की प्रतीक्षा बनी हुई थी। खबर है कि कई स्थान पर लिपिकों त्रुटि हो गई जिसे सुधार करने में समय लगा।

छत्तीसगढ़ सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने और विद्यार्थी यो की प्रतिभा का मूल्यांकन किए जाने के उद्देश्य से प्राइमरी और मिडिल बोर्ड परीक्षा फिर से शुरू की जो कुछ साल पहले बंद कर दी गई थी। कोरबा जिले में बड़ी संख्या में विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए। इस परीक्षा के माध्यम से उनकी दक्षता सामने आई। समय पर परीक्षा संपन्न करने के साथ शिक्षकों ने कॉपियों का मूल्यांकन किया। अंक तालिका बनने के साथ आगे का काम किया जाना था। प्रारंभिक तौर पर नतीजे की घोषणा स्कूल स्तर पर कर दी गई लेकिन तब से इसी बात की प्रतीक्षा बनी हुई थी कि आखिर विद्यार्थियों को प्रमाणिक तौर पर उनकी अंक सूची कब उपलब्ध होगी। इसे लेकर शिक्षण संस्था और विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जानकारी ली जाती रही। ऐसा करते-करते लंबा अरसा गुजर गया। अब जाकर पता चला कि विद्यार्थियों को तकनीकी कारणों से अंक सूची उपलब्ध नहीं कराई गई। कुछ विकासखंड में अंक सूची में गड़बड़ी होने की शिकायत थी इसलिए सुधार कार्यक्रम पर ध्यान दिया गया। इस बात की संभावना है कि अगले हफ्ते सभी विद्यार्थियों को पांचवी और आठवीं बोर्ड परीक्षा के सिलसिले में अंक सूची उपलब्ध करा दी जाएगी।

जून के प्रारंभ में होनी थी पूरक परीक्षा

जानकार सूत्रों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पांचवी और आठवीं की बोर्ड परीक्षा में पूरा की पात्रता आने वाले विद्यार्थियों के मामले में पूरक परीक्षा का आयोजन जून महीने के प्रथम सप्ताह में किया जाना था। इस तरह की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन कम स्थान पर ही इस तरह की व्यवस्था हो सकी। व्यवहारिक कारण बताकर अनेक जिलों में शिक्षा विभाग में पूरक परीक्षा को आगे के लिए टाल दिया। इस विषय को लेकर तर्क दिया गया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में विद्यार्थी अलग-अलग स्थान पर होते हैं और इस दौर में अगर आप परीक्षा की सूचना करते भी हैं तो यह उपयोगी साबित नहीं होती। अगर हमें परिणाम पर फोकस करना है तो इस मामले में पुनर्विचार करना होगा

-तामेश्वर उपाध्याय, जिला शिक्षा अधिकारी

शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद पूरक परीक्षा

पांचवी और आठवीं बोर्ड की परीक्षा में पूरक की पात्रता जिन विद्यार्थियों को प्राप्त हुई है, उनके मामले में पूर्वज जिले में एक साथ पूरक परीक्षा आयोजित की जाएगी। अवकाश की स्थिति में परीक्षा लेने के पिछले अनुभव अच्छे नहीं रहे हैं। तय किया गया है कि 16 जून से नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के बाद परीक्षा की तिथि निर्धारित करेंगे और परीक्षा लेंगे। जिले में पांचवी और आठवीं बोर्ड की मुख्य परीक्षा की अंकसूची तीन-चार दिन में उपलब्ध हो जाएगी। इसके बाद इनका वितरण किया जाएगा।

हायर सेकेंडरी द्वितीय अवसर परीक्षा का शेड्यूल जारी

कोरबा। माध्यमिक शिक्षा मंडल छत्तीसगढ़ में हायर सेकेंडरी स्कूल द्वितीय मुख्य अवसर परीक्षा 2025 का शेड्यूल जारी कर दिया है। नियमित, स्वाध्यायी और अवसर वाले छात्र इसमें शामिल हो सकेंगे। 8जुलाई से यह परीक्षा प्रारंभ होना है।

बोर्ड परीक्षा के कोरबा समन्वय संस्था साडा हायर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल के प्राचार्य रणधीर सिंह ने बताया कि इस परीक्षा के लिए आवेदन पहले ही जमा हो चुके हैं। अन्य संबंधित प्रक्रियाएं की जा रही है। इधर बोर्ड ने द्वितीय मुख्य अवसर परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। बताया गया कि 8 जुलाई को हिंदी, 10 जुलाई को अंग्रेजी, 11 जुलाई को संस्कृत के पेपर होंगे। 12 जुलाई को इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, कृषि विज्ञान, 15 जुलाई को भूगोल, भौतिक शास्त्र, 16 जुलाई को समाज शास्त्र, 17 जुलाई को राजनीति विज्ञान, केमेस्ट्री, एकाउंट, फसल उत्पादन उद्यान, 19 जुलाई को रिटेल मार्केटिंग मैनेजमेंट, आईटी, 21 जुलाई को गणित, 22 जुलाई को जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, पशुपालन से संबंधित परीक्षार्थी अपने विषयों की परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। इन सभी प्रश्नपत्रों के लिए बोर्ड ने सुबह 9 से 12.15 बजे तक समय तय किया है। बताया गया कि परीक्षार्थी अपने सेंटर में सुबह 9 बजे पहुंचेंगे। 9.05 बजे उत्तरपुस्तिका का वितरण किया जाएगा। जबकि 9.10 बजे प्रश्नपत्र दिए जाएंगे। 9.15 बजे से परीक्षार्थियों को प्रश्नों के उत्तर लिखने की पात्रता होगी।

माया मरी ना मैं मरा, जयंती पर स्मरण हुआ कबीर का

कोरबा। सामाजिक क्रांति को लेकर विशेष भूमिका निभाने वाले संत कबीर दास को उनकी 628वीं जयंती पर कोरबा नगर और जिले में आज याद किया गया। कबीर पंथ का अनुसरण करने वाले वर्ग के द्वारा विभिन्न स्थान पर कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर कबीर दास के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

गेवरा बस्ती कुसमुंडा, कबीर आश्रम पुरानी बस्ती कोरबा, पीड़ीबाहर और शारदा विहार क्षेत्र में कबीर पंत को मानने वाले लोगों ने धूमधाम से जयंती मनाई। कार्यक्रम स्थल पर परंपरागत रूप से श्वेत ध्वज फहराया गया। इसके साथ चौका आरती की गई। कबीर सत्संग में लोगों ने हिस्सा लिया। कबीर साहेब की साखी और उनके प्रेरक वचनों के माध्यम से लोगों का मार्गदर्शन किया गया। मुख्य रूप से उन बातों पर जोर दिया गया जिन्होंने कबीर दास को व्यापक क्षेत्र में अलग पहचान दी। वे व्यर्थ के आडंबर, पाखंड और सामाजिक, धार्मिक कुरीतियों के विरुद्ध थे। जयंती दिवस को उनके विचारों और उसके पीछे की प्रासंगिकता को भी याद किया गया।

पत्थर का अवैध उत्खनन, ट्रैक्टर जब्त

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज के अंतर्गत लालपुर परिसर के जंगल में वन विभाग की जमीन पर पत्थर का अवैध उत्खनन कुछ लोगों के द्वारा किया जा रहा था। वन विभाग को इसकी सूचना मिलने पर अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर एक ट्रैक्टर को जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

मिली जानकारी अनुसार लालपुर निवासी गुलाब सिंह पिता बुधराम सिंह, तीरथ प्रसाद का ट्रैक्टर चलता है। बताया जाता है कि वह वाहन मालिक के कहने पर उसके घर में बेस करने हेतु केंदई वन परिक्षेत्र से लालपुर परिसर के मोटियारीआमा नामक स्थान से पत्थर उत्खनन कर ट्रैक्टर की ट्रॉली में भर रहा था। इसी दौरान वन विभाग की टीम पहुंची और वाहन चालक से पत्थर से उत्खनन संबंधी दस्तावेज को प्रस्तुत करने कहा जिसे वाहन चालक द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जा सका। जिस पर वन विभाग की टीम ने वन अपराध प्रकरण दर्ज कर पत्थर से भरे ट्रैक्टर को ट्रॉली समेत जब्त कर सुरक्षित वन आवासीय परिसर मोरगा में रखा गया। ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने की तैयारी की जा रही है। उक्त अपराध को पकड़ने में कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत एवं केंदई रेंजर अभिषेक दुबे के निर्देश पर वन कर्मी प्रहलाद सिदार, पंकज खैरवार, अशोक श्रीवास, रामप्रताप कुशवाहा, गंगाराम नेताम, प्रीतम पुराइन एवं सुनील डिंडसेना की मुख्य भूमिका रही। इसी तरह केंदई रेंज के जंगल के कक्ष क्रमांक पी-336 में उमेश कुमार गुर्जर नामक व्यक्ति द्वारा जलाऊ लकड़ी ट्रैक्टर में भरकर परिवहन करने की तैयारी किया जा रहा था जिसे मौके पर दबिश देकर ट्रैक्टर व लकड़ी को जब्त किया गया है।

बाड़ी में आग लगाने पर मर्डर आरोपी को किया गिरफ्तार

कोरबा। अवध नगर क्षेत्र में बाड़ी से संबंधित विवाद और आगजनी को लकर रामसिंह की हत्या करने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। इस सिलसिले में आरोपी संजय पटेल को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया है।

कुसमुंडा थाना प्रभारी युवराज तिवारी ने बताया कि मड़वाढोढ़ा अवध नगर क्षेत्र में यह घटना गत दिवस हुई। कुछ समय पहले बाड़ी को लेकर संजय पटेल व रामसिंह के बीच विवाद हुआ था। इसे लेकर रंजिश बनी रही। हाल में ही किसी वजह से मृतक रामसिंह के द्वारा संजय पटेल की बाड़ी में बनी हुई झोपड़ी में आग लगा दी गई थी। इसे लेकर रामसिंह पर लाठी-डंडे चलाए गए। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और रात से सुबह तक मौके पर पड़ा रहा। अगली सुबह उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर चिकित्सक ने उसके मृत होने की पुष्टि की। प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य स्तर से मिली सूचनाओं पर पुलिस ने मर्ग कायम किया। मारपीट की घटना में प्रयुक्त लाठी-डंडे व अन्य सामान को जब्त किया गया है, जिसके बाद रामसिंह की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को मंगलवार मामला सामने आने के बाद हिरासत में ले लिया गया था। अन्य औपचारिकताओं की पूर्ति के साथ उसे गिरफ्तार किया गया। उसे कोर्ट में प्रस्तुत करने की तैयारी की जा रही है।

घटना के बारे में पूछताछ करती पुलिस।

कोसा तसर प्रशिक्षण से महिलाओं को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर

कोरबा। कोसा सिल्क से बने कपड़े हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। कोरबा जिले में कोसा पालन और संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा मिल रहा है। रेशम कोसा विभाग ने महिलाओं के स्व सहायता समूहों को कोसा तसर प्रशिक्षण देना जारी रखा है। सहायक संचालक ने बताया कि आधुनिक मशीनें इस कड़ी में बुलवाई गई है। ये न केवल एडवांस है बल्कि इनकी उत्पादकता भी ज्यादा है। महिलाओं को प्रशिक्षण के साथ अन्य गतिविधियों में जोड़ा जा रहा है।

कालोनी का निरीक्षण करेगी वेलफेयर कमेटी

कोरबा। एसईसीएल कंपनी वेलफेयर कमेटी के सदस्य कोरबा पहुंच गए हैं और आज मुख्य चिकित्सालय मानिकपुर व रजगामार कालोनी का निरीक्षण करेंगे। यह टीम रजगामार डिस्पेंशरी में भी जाकर लोगों से मुलाकात करेंगे। उनके साथ कोरबा एरिया वेलफेयर कमेटी के राजेश साहू, एस मूर्ति, शैलेन्द्र सिंह, बाबूलाल चंद्रा, दिनेश सिंह भी रहेंगे। रजगामार कालोनी काफी पुराना होने के कारण यहां पर कोयला कामगारों को काफी दिक्कतें होती है। बरसात के मौसम में छतों से पानी टपकने के मामले को सामने रखा जाएगा। इसके अलावा डिस्पेंशरी में और भी सुविधाएं देने की बात कही जाएगी। कल इस टीम द्वारा ढेलवाडीह कालोनी का निरीक्षण किया जाएगा और यहां कोयला कामगारों से चर्चा की जाएगी।

***कोरबा।** कोयलांचल में प्रदूषण की समस्या समय के साथ घनीभूत हो रही है। इसके समाधान के विकल्प नहीं तलाश गए हैं।

संकल्प सिद्धि अभियान में बोले हितानंद

आतंकवाद के विरूद्ध कड़ा रूख दिखाया नए भारत ने

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा देश भर में संकल्प से सिद्धि नामक कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके तहत भाजपा सरकार के वर्तमान के 11 वर्षों में किए गए देश के लिए कार्य जनता के बीच कार्यकर्ताओं को रखना है।

इसी क्रम में 10 जून को कोरबा मंडल की कार्यशाला जिला भाजपा कार्यालय ट्रांसपोर्ट नगर में आयोजित की गई। इसके प्रमुख वक्ता पूर्व नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल रहे। जिन्होंने उपस्थित कोरबा मंडल के पदाधिकारियों को संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए देश की भाजपा सरकार के द्वारा उज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, कश्मीर से धारा 370 को हटाना, कैसे पूर्व की सरकार द्वारा आतंकवाद को नजरअंदाज करना एवं वर्तमान की भाजपा सरकार द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाना जैसे विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान सतविंदर सिंह बग्गा, रितु चौरसिया, परविंदर सिंह, योगेश मिश्रा, राम शंकर साहू, नवनीत राहुल शुक्ला, गिरीश नामदेव, सुकेश दलाल, युगल केवर्त मंचासीन रहे। कार्यक्रम के दौरान कोरबा मंडल के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

रैली निकालकर भामसं ने सौंपा ज्ञापन

कोरबा। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं ने तानसेन चौक पर धरना देते हुए रैली निकाली और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक लक्ष्मण चंद्रा के नेतृत्व में रंजय सिंह, रमेश गुरूद्वान, अजय मिश्रा, संजय सिंह, भीम चौहान, मदन सिंह, प्रीतम राठौर, डीपी गभेल, उत्तम कुलदीप, भुनेश्वर कश्यप, कमलेश सिंह, वेदराम कर्ष सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए। इनके द्वारा बढ़ते प्रदूषण को रोकने पीछे लगाने की मांग की गई।

अवध को बनाया गया लोजपा मजदूर सभा का जिलाध्यक्ष

कोरबा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) मजदूर सभा के प्रदेश संयोजक डी. अरूण नायडू ने औद्योगिक नगरी के युवा नेता अवधराम पोर्ते को मजदूर सभा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री पोर्ते की नियुक्ति उनकी सक्रियता एवं मजदूर हितैषी कार्यशैली को देखते हुए किया गया है। नियुक्ति पत्र सौंपते हुए श्री नायडू ने अवध से आशा जताई है कि वे मजदूरों के हित में काम करते हुए संगठन को मजबूत करने व मजदूरों की समस्याओं का निराकरण पार्टी के श्रम प्रकोष्ठ में लोगों को जोड़ने का कार्य करेंगे। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अवधराम ने कहा कि प्रदेश संयोजक द्वारा उन पर जो भरोसा जताया गया है उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। शीघ्र ही क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाईयों का दौरा कर मजदूरों से संपर्क किया जाएगा और उनकी समस्याओं को जानने के साथ उचित मंच पर उठाने और उसके निराकरण की दिशा में काम करेंगे। अवध राम को मजदूर सभा का जिलाध्यक्ष बनाए जाने से उनके समर्थकों में हर्ष व्याप्त है।

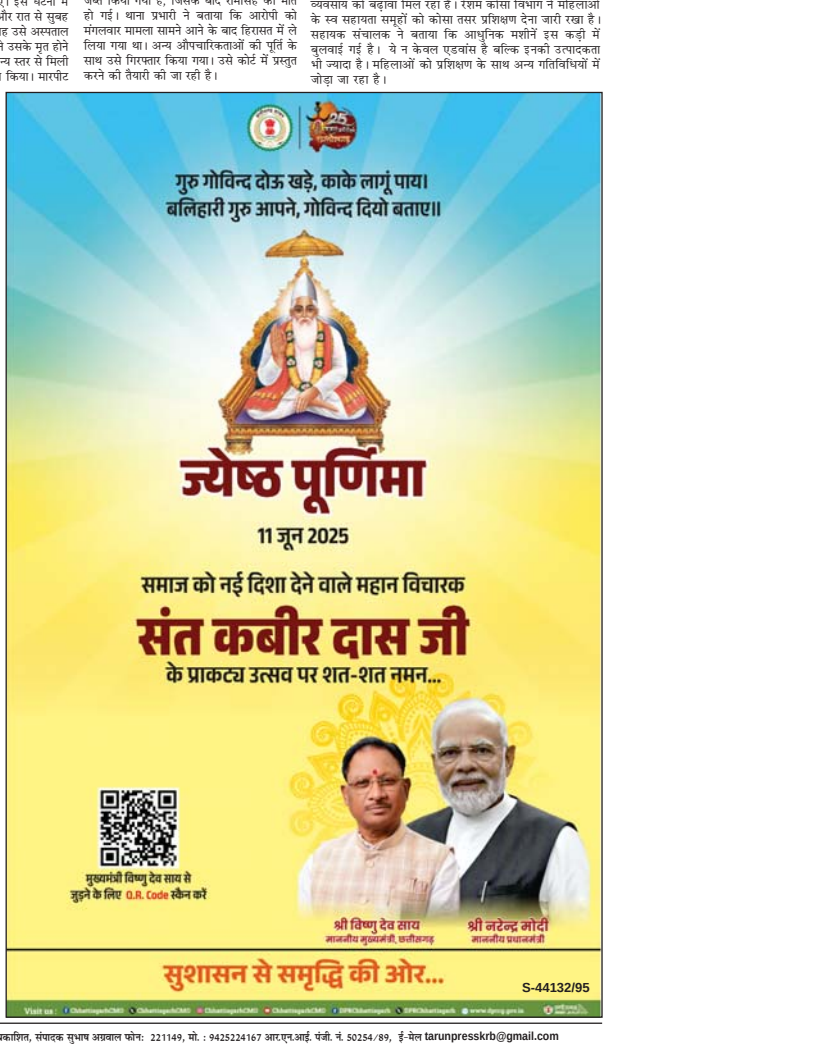

खनन पर्यवेक्षक का चार्ज अलाउंस एक घंटे का हो, इन्मोसा ने की मांग

विसंगति पर ध्यान खींचा एसईसीएल प्रबंधन का

कोरबा। कोल माइंस माइनिंग डिप्लोमा एसोसिएशन के सामने कई प्रकार की समस्याएं हैं। उसने एसईसीएल प्रबंधन से मांग की है कि खनन पर्यवेक्षक का चार्ज अलाउंस 30 मिनट से बढ़ाकर एक घंटे किया जाए। साथ ही हर महीने वेतन के साथ अलाउंस की राशि का भुगतान भी सुनिश्चित किया जाए।

एसईसीएल दीपका क्षेत्र के सीजीएम को इस विषय के बारे में इन्मोसा ने आज ज्ञापन सौंपा। संगठन ने कहा कि माइनिंग सुपरवायजर जो कि खदान में कार्यरत है, और खदान अधिक दूरी तक फैले हैं और चार्ज लेनदेन में 1 घंटा से अधिक समय लग रहा है। समय के साथ उत्पादन लक्ष्य लगातार बढ़ता रहा है वहीं प्रदूषण के स्तर में बढ़ोत्तरी हो रही है। इसका बुरा असर खनन पर्यवेक्षक के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। संगठन ने कहा कि इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए खनन पर्यवेक्षक का चार्ज अलाउंस का समय बढ़ाकर एक घंटे किया जाए। इससे व्यवहारिक समस्याएं कम होंगी। प्रबंधन को एक पत्र के हवाले से बताया गया कि दीपका एरिया में कार्यरत सभी खनन पर्यवेक्षक को माह अप्रैल - 2025 के वेतन में 1 घंटा चार्ज अलाउं भुगतान किया किया था। किन्तु माह मई -2025 के भुगतान में के वेतन में चार्ज अलाउंस की कटौती कर दी गई।

इन्मोसा ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि जब कंपनी अन्य मामलों में उपाधि धारकों को बेहतर सुविधाएं दे सकती है तो डिप्लोमा इंजीनियर्स के मामले में नकारात्मक रवैया क्यों? इन्मोसा ने कहा कि कोल इंडिया की दूसरी कंपनियों में नीति अलग है और इस बारे में समग्र अध्ययन करने के साथ हमारा संगठन यहां भी अधिकारियों की आंख खोलने का प्रयास करेगा।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com